नई दिल्ली ■ शुक्रवार 05 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 05 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 कमीशन लेकर किताबें बेच रहे प्राइवेट स्कूल | 07 पंजाब किंग्स के खिलाफ लय हासिल करने उतरेगा सीएसके | 'क्वीन 2' में नजर आएंगी कंगना रानौत 08

कांग्रेस, वाम दल समाज को बांटने के लिए सांप्रदायिक एजेंडा फैला रहे हैं: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और वाम दलों पर निशाना साधते हुए उन पर समाज को बांटने और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए कट्टरपंथी ताकतों के साथ हाथ मिलाने का आरोप लगाया।

केरल में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी गांधीवादी विचारधारा को त्याग दिया है और वह 'माओवादी मुस्लिम लीग कांग्रेस' बन गई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) अपने एजेंडे के अनुसार समाज को बांटने के लिए कट्टरपंथी ताकतों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे हमारी आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। वे भगवान अयप्पा के भक्तों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ही वहां (मंदिर) लगे सोने के मामले में बेईमान आचरण अपना रहे हैं। वे सहकारी बैंकों में आपकी मेहनत की कमाई को भी लूट रहे हैं। जनता इन सभी चीजों को करीब से देख रही है। मोदी ने दावा किया कि जहां उनकी सरकार देश को मजबूत करने के लिए काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस वैश्विक मंच पर भारत की नकारात्मक छवि बना रही है और उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रही है।

उन्होंने कहा कि केरल के लोग दुनियाभर के कई देशों में रहते और काम करते हैं। हालांकि, कांग्रेस ऐसे बयान दे रही है, जिससे वे लोग स्वाभाविक रूप से नाराज हो सकते हैं। नतीजतन, विदेश में रहने वाले केरलवासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस अपने राजनीतिक हितों के लिए लगातार गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रही है, जिससे हमारे लोगों की सुरक्षा और भलाई खतरे में पड़ रही है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि केरल की मौजूदा स्थिति से कई युवा बेचैन और निराश हैं। उन्होंने कहा कि इन युवाओं को लगता है कि चाहे एलडीएफ सत्ता में हो या यूडीएफ, उन्हें अवसर तलाशने के लिए कहीं और जाना ही पड़ेगा। नतीजतन, वे अब भाजपा को मौका देने के लिए तैयार हैं, इस उम्मीद में कि इससे राज्य में बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप और उद्योगों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा... युवा पिछली यूडीएफ और एलडीएफ सरकारों के ढर्रे से तंग आ चुके हैं। मोदी ने बूथ कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर लोगों को इस बार भाजपा-राजग को मौका देने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और वाम दलों ने 75 साल शासन किया है; लोगों से भाजपा-राजग को सिर्फ पांच साल देने का अनुरोध करें। उन्हें बताएं कि जहां भी हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं को अवसर दिया गया है, उन्होंने समुदाय की पूरी लगन से बेहद प्रभावी ढंग से सेवा की है। मोदी ने कहा कि देशभक्ति से ओत-प्रोत पूर्व सैनिक हमेशा भाजपा को ही चुनते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम में स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के लिए समर्थन की बढ़ती लहर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि इस बार केरल न केवल एक नयी सरकार, बल्कि एक नयी व्यवस्था भी चुनने जा रहा है। इस चुनाव में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए भारी समर्थन की लहर है। मोदी ने कहा कि तिरुवनंतपुरम ने लंबे समय से व्याप्त इस धारणा को तोड़ दिया है कि वामपंथी और कांग्रेस शासन की परवाह किए बिना बारी-बारी से सत्ता में आते रहेंगे। उन्होंने कहा कि नतीजतन, यूडीएफ और एलडीएफ अब एक-दूसरे पर हमले करने के बजाय भाजपा को निशाना बना रहे हैं... लोग यूडीएफ और एलडीएफ द्वारा की जा रही लूट से तंग आ चुके हैं। संवाद में प्रधानमंत्री ने मौके पर खरा उतरने के महत्व को रेखांकित किया और इस बाबत केरल के क्रिकेट खिलाड़ी संजू सैमसन का उदाहरण दिया। मोदी ने कहा कि हम अक्सर संजू सैमसन के प्रदर्शन में यह देखते हैं। विश्व कप के दौरान, जब टूर्नामेंट अपने निर्णायक नॉकआउट चरणों में पहुंचा, तो उनका प्रदर्शन चरम पर था।

'विकसित भारत' के लक्ष्य के लिए पब्लिक सर्विस का निरंतर अपडेट जरूरी: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' के अवसर पर कहा कि तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाने के लिए देश की पब्लिक सर्विस को लगातार अपडेट करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम, संवेदनशील और आधुनिक प्रशासनिक तंत्र की अहम भूमिका होगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि 21वीं सदी में वैश्विक व्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और भारत भी उसी गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में प्रशासनिक तंत्र को समयानुकूल बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी साधना सप्ताह इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो सरकारी कर्मचारियों की क्षमता और कार्यशैली को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शासन व्यवस्था का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भव' है, जिसका अर्थ है कि नागरिक सर्वोपरि हैं। इस सोच के साथ सरकार सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सक्षम और नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत एक आकांक्षी समाज है, जहां हर नागरिक के अपने सपने और लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने के लिए सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वे हर संभव सहायता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि गवर्नेंस की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नागरिकों की 'ईज ऑफ लिविंग' और 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' में लगातार सुधार हो। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन कुछ नया सीखने की आदत विकसित करें और खुद को एक सच्चे 'कर्मयोगी' के रूप में ढालें। उन्होंने कहा कि निरंतर सीखने और आत्म-विकास से ही प्रशासनिक तंत्र मजबूत होगा और बेहतर परिणाम सामने आएंगे। प्रशासनिक सुधारों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले व्यवस्था में 'अधिकारी' होने पर ज्यादा जोर दिया जाता था, लेकिन अब समय 'कर्तव्य भावना' को प्राथमिकता देने का है। उन्होंने कहा कि हर निर्णय लेने से पहले यदि अधिकारी अपने कर्तव्य के बारे में सोचेंगे, तो उसके परिणाम स्वतः ही अधिक प्रभावी होंगे और समाज पर सकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हर निर्णय को भविष्य के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

होर्मुज खुलवाने के उपायों पर चर्चा के लिए 35 देशों की बैठक होगी

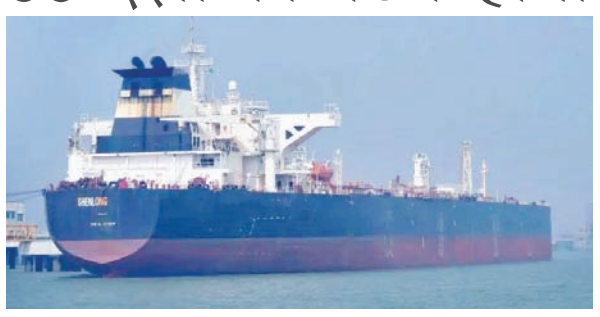

लंदन। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद बंद किए गए महत्वपूर्ण जहाज मार्ग होर्मुज जलडमरुमध्य को खुलवाने के लिए कूटनीतिक और राजनीतिक दबाव बनाने को लेकर बृहस्पतिवार को 30 से अधिक देशों की बैठक होगी। इस बैठक में हिस्सा लेने वाले देशों में अमेरिका शामिल नहीं है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह स्पष्ट करने के बाद यह बैठक होगी कि जलमार्ग खुलवाना अमेरिका का काम नहीं है। ट्रंप ने अमेरिका के यूरोपीय सहयोगियों की भी आलोचना करते हुए कहा है कि उन्होंने युद्ध का समर्थन नहीं किया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा कि विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में डिजिटल माध्यम से आयोजित होने वाली इस बैठक में 'हम सभी संभव कूटनीतिक और राजनीतिक उपायों का मूल्यांकन करेंगे ताकि आवागमन की स्वतंत्रता बहाल हो सके, फंसे हुए जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और महत्वपूर्ण वस्तुओं के परिवहन को फिर से शुरू किया जा सके। इस बीच, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा, जापान और संयुक्त अरब अमीरात समेत कुल 35 देशों ने एक साझा बयान पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें उन्होंने ईरान से होर्मुज जलडमरुमध्य को अवरुद्ध करने के प्रयास बंद करने का अनुरोध किया है। इन सभी देशों ने जलमार्ग के माध्यम से सुरक्षित पारगमन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रयासों में योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया है।

ईरान में जल्द 'काम खत्म करेगी' अमेरिकी सेना : ट्रंप

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि अमेरिकी सेना ईरान में जल्द ही काम खत्म कर देगी क्योंकि मुख्य रणनीतिक उद्देश्य पूरे होने वाले हैं। ट्रंप ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने के करीब एक महीने बाद राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में अपने इस कदम का बचाव किया।

भारत ने यूएन शांति सैनिकों पर हमलों की निंदा की

नई दिल्ली। भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के तहत तैनात शांति सैनिकों पर हालिया हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने कहा कि वह लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और वर्तमान में यूनिफिल में लगभग 600 भारतीय सैनिक तैनात हैं, जो वैश्विक शांति और सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं। भारत ने हाल में यूनिफिल में तैनात शांति सैनिकों पर हुए हमलों में मारे गए 'ब्लू हेलमेट्स' को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी पक्षों से अपील की कि वे संयुक्त राष्ट्र मिशन की पवित्रता और शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

भारत ने कहा कि एक प्रमुख और लंबे समय से शांति सैनिक भेजने वाले देश के रूप में और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2589 के अनुरूप, वह शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने की मांग करता है।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। इसी के साथ संसद के दोनों सदनों यह विधेयक पारित हो गया। यह विधेयक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में वरिष्ठ स्तर के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया को स्पष्ट और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से लाया गया है। लोकसभा में चर्चा के बाद जवाब देते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि यह विधेयक देश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करेगा।

मणिपुर के थौबल जिले में ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद

इंफाल। सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना के आधार पर मणिपुर के थौबल जिले में हेइरोक पुलिस थानांतर्गत हेइरोक पार्ट-II में एक तलाशी अभियान के दौरान हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद किया। फिलहाल, इस मामले में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह बरामदगी बुधवार को खांगाबोक महादेव चिंग इलाके से की गई, जहां सुरक्षाकर्मियों ने दो हैंड ग्रेनेड, अलग-अलग हथियारों की पांच मैगजीन और अलग-अलग कैलिबर के 2,388 राउंड गोला-बारूद जब्त किया।

पांच राज्यों की विस और 8 सीटों के उपचुनाव में एग्जिट पोल पर रोक

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव तथा गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए प्रचार-निषेध अवधि (साइलेंस पीरियड) और एग्जिट पोल से जुड़ी पाबंदियों की घोषणा की है। आयोग ने बताया कि प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 (1)(बी) के तहत मतदान से 48 घंटे पहले किसी भी चुनाव क्षेत्र में टीवी, रेडियो या अन्य माध्यमों से चुनाव प्रचार सामग्री दिखाना प्रतिबंधित है। इस अवधि में किसी भी प्रकार का विचार, अपील या ओपिनियन पोल प्रसारित नहीं किया जा सकता।

खाड़ी युद्ध के चलते अमेरिका-इजराइल से तेजस के लिए इंजन और रडार की आपूर्ति में देरी

नई दिल्ली। ईरान से युद्ध के बीच अमेरिका और इजराइल से भारत को लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-1ए के लिए इंजन, रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम मिलने में और देरी होने की संभावना बढ़ गई है। अमेरिकी कंपनी ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को देने के लिए छठा एफ-404 इंजन तैयार कर दिया है, लेकिन आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

इंजन की आपूर्ति में लगातार देरी के लिए एचएएल ने जीई एयरोस्पेस पर 'लिक्विडेटेड डैमेज' लगाने की शुरुआत की है। इसी तरह इजराइल से रडार के लिए सॉफ्टवेयर नहीं मिल पाया है। एचएएल के चेयरमैन डॉ. डीके सुनील ने गुरुवार को अमेरिका से इंजन आपूर्ति के मुद्दे पर कहा कि हमारे पास 5 इंजन हैं और छठा इंजन अब तैयार है। इसे जल्द ही ले लिया जाएगा। पिछली बार जब मैं जीई एयरोस्पेस गया था, तो भरोसा दिया गया था कि वे हमें इस कैलेंडर साल के दूसरे हाफ में जून से दिसंबर के बीच 20 इंजन देंगे, लेकिन समय पर आपूर्ति नहीं मिली। उन्होंने कहा कि अब लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के लिए इंजन की आपूर्ति में देरी के लिए जीई एविएशन पर 'लिक्विडेटेड डैमेज' लगाया गया है और आपूर्ति होने में देरी वाले हर इंजन पर पेनल्टी लगाई जा रही है, क्योंकि इसकी वजह से वायु सेना को सौदे के तहत एयरक्राफ्ट की आपूर्ति में काफी देरी हुई है।

चेयरमैन डॉ. सुनील ने युद्ध की वजह से एलसीए तेजस मार्क-1ए के लिए इजराइल से रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम की देरी पर कहा कि रडार के लिए सॉफ्टवेयर आने की वजह से हमें देरी हुई है। इजराइल और ईरान के बीच पिछली लड़ाई में भी यह आपूर्ति थोड़े समय के लिए बंद थी, लेकिन बाद में देरी से सॉफ्टवेयर अपग्रेड भी आए हैं। मौजूदा लड़ाई का आपूर्ति पर कुछ असर पड़ेगा, लेकिन अभी हमारे पास इक्विपमेंट हैं, इसलिए उम्मीद है कि हम बराबरी कर लेंगे। हमें उम्मीद है कि यह लड़ाई भी जल्दी खत्म हो जाएगी और इस देरी का ध्यान रखा जाएगा। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को बताया है कि आपूर्ति में देरी अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण हो रही है। अमेरिकी कंपनी से 2021 में किए गए 99 एफ 404-आईएन20 इंजनों के लिए सौदा किया गया था, जिसमें से पहला पिछले साल मार्च में और पांचवां दिसंबर में आपूर्ति किया गया था। तेजस मार्क-1ए का पहला विमान मार्च, 2024 में वायु सेना को दिया जाना था, लेकिन दो साल से ज्यादा की देरी के बाद इस साल जून-जुलाई तक ही मिलने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

लूटपाट करने वाले गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में नोएडा के थाना सेक्टर-58 की पुलिस ने चोरी की बाइक से लूटपाट करना वाले गिरोह के दो बदमाशों को बीती रात को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की बाइक और लूटे हुए 12 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस ने लोगों को डराने के लिए रखे गए चाकू को भी कब्जे में ले लिया। अपर पुलिस उपायुक्त मनीषा सिंह ने बताया कि एक गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-60 के पास से दो आरोपितों विनेश उर्फ राहुल और सलमान को गिरफ्तार किया गया है। तलाशी के दौरान इनके पास से विभिन्न कंपनियों के 12 मोबाइल फोन बरामद हुए, जो नोएडा, दिल्ली और आसपास के इलाकों से लूटे गए थे। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे चोरी की बाइक से राह चलते लोगों के मोबाइल फोन छीन लेते थे। बरामद बाइक के बारे में खुलासा हुआ कि उसे सेक्टर-3 से चोरी किया गया था, जिसके संबंध में फेस-1 थाने में मुकदमा दर्ज है।

जेवर-दनकौर में रैली, शिक्षा का महत्व बताया

यमुना सिटी। परिषदीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान के तहत जेवर और दनकौर ब्लॉक में जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और 'हर बच्चा स्कूल जाए' व 'सब पढ़ें, सब बढ़ें' जैसे नारों के साथ लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। शिक्षकों ने क्षेत्र में घर-घर जाकर अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई का महत्व बताया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी समेत शिक्षक एवं अन्य सहयोगी मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी राशिद खान ने बताया कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना और परिषदीय विद्यालयों मं अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करना है। शिक्षकों की टीमें लगातार क्षेत्र में जाकर अभिभावकों से संपर्क कर रहीं हैं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए।

किसानों को किया जागरूक

दादरी। कलौंदा गांव में सरसों का उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को जागरूक किया गया। इसी उद्देश्य पर एमेटी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 40 किसानों और कृषि विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इशस मौके पर किसानों को तिलहन तकनीकी मिशन को बढ़ावा देने के बारे में बताया। इस मौके पर केंद्र प्रभारी डॉक्टर नीतू सिंह, सुखवीर, राजवीर, रविंद्र, वीरेंद्र, सुभाष, अशोक, हुकुम वीर समेत 40 किसानों ने भाग लिया।

महिलाओं के योगदान पर विचार रखे

नोएडा। एसोटेक सिंग्रिगफील्ड सोसाइटी में वुमेन्स क्लब द्वारा महिलाओं के सम्मान के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब की अध्यक्षा डॉ. अस्मिता ओझा और उनकी टीम की सदस्य नीतू, गीतिका, गौरी, राशि, कविता और रेनू ने महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में नारी शक्ति के प्रति सम्मान प्रकट किया और उनकी समाज निर्माण में भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

जीवाईएम-11 टाइगर्स ने कौर क्रिकेटर्स को हराया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सेंचुरियन क्रिकेट मैदान पर चल रहे फ्रेंडशिप कप सीजन-26 के लीग मैच में जीवाईएम-11 टाइगर्स ने कौर क्रिकेटर्स को नौ विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कौर क्रिकेटर्स ने टी-20 मुकाबले में दस विकेट पर 144 रन का स्कोर खड़ा किया। तन्मय ने 43 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीवाईएम-11 टाइगर्स की टीम ने एक विकेट पर 145 रन बनाकर मैच में जीत हासिल की। अंकुर त्यागी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

बाल चिकित्सालय में किडनी के गंभीर मरीजों का इलाज शुरू

नोएडा। बाल चिकित्सालय एवं स्नातकोत्तर संस्थान में नेफ्रोलॉजी विभाग को विशेषज्ञ डॉक्टर मिल गया है। अब विभाग में किडनी से संबंधित गंभीर मरीजों का इलाज मिलेगा। बाल चिकित्सालय में एक प्रोफेसर स्तर के नेफ्रोलॉजिस्ट ने 28 मार्च को ज्वाइन कर लिया है। वहीं एक अन्य नेफ्रोलॉजिस्ट ने एक महीना पहले ज्वाइन किया था। इस विभाग में अब डॉक्टरों की संख्या दो हो गई है। नए डॉक्टर के ज्वाइन करने से पहले एक डॉक्टर होने के कारण गंभीर मरीजों का इलाज संभव नहीं हो पा रहा था। अस्पताल में पहले से ही डायलिसिस की सुविधा है, जिसका उपयोग किया जा रहा है। यूरोलॉजी विभाग के डॉक्टर भी ऐसे मरीजों के इलाज से जुड़े रहे हैं। पहले विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में बाल चिकित्सालय के किडनी विभाग ज्यादातर बंद ही रहा है। पहले भी एक बार यह विभाग शुरू हुआ था, लेकिन बाद में डॉक्टर के अभाव में बंद हो गया था।

डेटिंग ऐप के जरिए जाल में फंसाकर लूटने वाले गैंग का पर्दाफाश, 4 शातिर गिरफ्तार

हनीट्रैप के जरिए बनाते थे अश्लील वीडियो, फिर ब्लैकमेलिंग के जरिए लूटते थे गहने और नकदी

नोएडा। अगर आप भी ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स के जरिए अंजान लोगों से दोस्ती कर रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। नोएडा पुलिस ने एक ऐसे संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो फर्जी प्रोफाइल के जरिए लोगों को मिलने बुलाते थे और फिर उन्हें ब्लैकमेल कर लूट की वारदातों को अंजाम देते थे। सेक्टर-126 थाना पुलिस ने इस मामले में चार शातिर अपराधियों को दबोचा है। प

ुलिस ने 2 अप्रैल को एक सटीक सूचना के आधार पर सुशांक सिंह, प्रदीप, रोहित कुमार और वासु को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी मूल रूप से अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं, लेकिन दिल्ली-एनसीआर को इन्होंने अपना ठिकाना बनाया हुआ था। इनके पास से पुलिस ने एक डायमंड सॉलिटेयर, एक सोने की चेन और ₹14,530 नकद बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार, आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़ित से मोटी रकम वसूलते थे। बदनामी के डर से लोग विरोध नहीं कर पाते थे और जो भी गहने या पैसे उनके पास होते, आरोपी उन्हें छीन लेते थे। पुलिस जांच में पता चला है कि यह गिरोह बेहद पेशेवर तरीके से काम करता था। ये आरोपी फर्जी आधार कार्ड के जरिए किराए पर कमरे लेते थे ताकि पुलिस उन तक न पहुँच सके। डेटिंग ऐप्स पर आकर्षक फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को दोस्ती के जाल में फंसाया जाता था। जब पीड़ित इनके बताए कमरे पर पहुँचता, तो आरोपी उसे आपत्तिजनक स्थिति में फंसाकर उसके फोटो और वीडियो बना लेते थे। यह गैंग चोरी के मोबाइल और सिम कार्ड का इस्तेमाल करता था ताकि तकनीकी सर्विलांस से बचा जा सके। पुलिस ने इनके खिलाफ ब्लैकमेलिंग, जबरन वसूली और लूट जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है। नोएडा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति से ऑनलाइन दोस्ती के बाद एकांत में मिलने न जाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

विधायक धीरेंद्र सिंह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात

चोला स्टेशन को आधुनिक हब बनाने को लेकर हुई चर्चा

नोएडा। धीरेन्द्र सिंह ने जेवर विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए गुरुवार को अश्विनी वैष्णव से संसद भवन में अहम मुलाकात की। इस बैठक में चोला रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक बेहतर रेल कनेक्टिविटी को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के तेजी से विकास को देखते हुए मजबूत और आधुनिक रेल नेटवर्क बेहद जरूरी हो गया है। इस पहल से न सिर्फ यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बैठक के दौरान विधायक धीरेन्द्र सिंह ने चोला रेलवे स्टेशन को मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा। उनका कहना है कि इस स्टेशन के विकास से जेवर एयरपोर्ट और पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इसके साथ ही उन्होंने स्टेशन के पुनर्विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार और एयरपोर्ट तक तेज व सुगम रेल संपर्क की जरूरत पर भी जोर दिया। नई रेल लाइन के जल्द अनुमोदन और प्रमुख ट्रेनों के ठहराव जैसे मुद्दे भी बैठक में प्रमुख रूप से उठाए गए। विधायक ने चोला स्टेशन को लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित करने का सुझाव भी दिया। उनका मानना है कि इससे माल परिवहन आसान होगा और क्षेत्र में इंडस्ट्री को नई गति मिलेगी। इससे निवेश के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। जेवर क्षेत्र पहले से ही एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के कारण निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, ऐसे में बेहतर रेल कनेक्टिविटी इस विकास को और तेज कर सकती है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में रखे गए सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन सुझावों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। विधायक ने भी विश्वास जताया कि आने वाले समय में जेवर क्षेत्र देश के प्रमुख औद्योगिक और आर्थिक केंद्र के रूप में उभरेगा। इस बैठक में संजय शर्मा भी मौजूद रहे।

एमबीए पास युवक से निवेश के नाम पर 91 लाख ठगे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने निवेश करने पर मुनाफा होने का झांसा देकर एमबीए पास युवक से 91 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित एक निजी कंपनी में काम करता है। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी अक्षत सिंह ने बताया कि वह एमबीए पास हैं और वर्तमान में एक निजी कंपनी में वर्क फ्रॉम होम करते हैं। उनके मोबाइल में एक मार्च को एक लिंक आया, जिसमें एक ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा। यह ऐप शेयर बाजार में निवेश और आईपीओ ट्रेडिंग के नाम पर प्रचारित किया गया था। इसके बाद अक्षत से संपर्क करने वाले लोगों ने खुद को मार्क सिक्योरिटीज लिमिटेड कंपनी का कर्मचारी बताया और कहा कि उनकी कंपनी सेबी से रजिस्टर्ड है। कुछ लोगों ने अपना नाम डॉ. राजीव सिंह, खुशी गोयल और मीनाक्षी बताया और अक्षत को भरोसे में लेकर निवेश करने के लिए तैयार कर लिया। शुरुआत में युवक ने 50 हजार रुपये निवेश किए। इस पर उसे मुनाफा हुआ। बाद में कंपनी के लोगों ने उसे ज्यादा मुनाफे का लालच दिया और लगातार गाइड करते रहे। इसी भरोसे में आकर युवक ने पांच से 12 मार्च के बीच अलग-अलग किस्तों में कुल करीब 51.5 लाख रुपये निवेश कर दिए। ऐप में उसे अच्छा मुनाफा भी दिखाया जाता रहा, जिससे उसका विश्वास और बढ़ गया। युवक को 27 मार्च को बताया गया कि वह अपने शेयर बेच सकता है। जब उसने रुपये निकालने की कोशिश की, तो कंपनी की तरफ से कहा गया कि रुपये एक दिन बाद खाते में आ जाएंगे। मीनाक्षी नाम की महिला ने 30 मार्च को अक्षत से कहा कि रकम निकालने के लिए पहले 5.75 लाख रुपये कैपिटल गेन टैक्स के रूप में जमा करने होंगे।

लूटपाट करने वाले गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में नोएडा के थाना सेक्टर-58 की पुलिस ने चोरी की बाइक से लूटपाट करना वाले गिरोह के दो बदमाशों को बीती रात को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की बाइक और लूटे हुए 12 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस ने लोगों को डराने के लिए रखे गए चाकू को भी कब्जे में ले लिया। अपर पुलिस उपायुक्त मनीषा सिंह ने बताया कि एक गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-60 के पास से दो आरोपितों विनेश उर्फ राहुल और सलमान को गिरफ्तार किया गया है। तलाशी के दौरान इनके पास से विभिन्न कंपनियों के 12 मोबाइल फोन बरामद हुए, जो नोएडा, दिल्ली और आसपास के इलाकों से लूटे गए थे। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे चोरी की बाइक से राह चलते लोगों के मोबाइल फोन छीन लेते थे। बरामद बाइक के बारे में खुलासा हुआ कि उसे सेक्टर-3 से चोरी किया गया था, जिसके संबंध में फेस-1 थाने में मुकदमा दर्ज है।

नोएडा में 5 अप्रैल को होगी निषाद पार्टी की बड़ी रैली

नोएडा। निषाद पार्टी अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने संगठन का विस्तार करने जा रही है। संगठन विस्तार और विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मेरठ में प्रस्तावित रैली अब गौतमबुद्ध नगर के नोएडा इंडोर स्टेडियम में 5 अप्रैल को होगी। विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह रैली काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद ने कहा कि पार्टी अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने संगठन का विस्तार करने जा रही है और नोएडा की यह रैली उसी दिशा में एक बड़ा कदम होगी।

उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इन दलों ने मछुआ, कश्यप निषाद समाज से केवल वोट लिया, लेकिन उन्हें उनके अधिकारों से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन बेहद मजबूत और पवित्र है, जो समाज के विकास और सम्मान के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी द्वारा पहले गोरखपुर और प्रयागराज में सफल रैलियां आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें बड़ी संख्या में मछुआ समाज के लोगों ने भाग लिया और अपने अधिकारों की मांग उठाई।

एक सवाल के जवाब में डॉ संजय निषाद ने बताया कि मेरठ में प्रस्तावित रैली को अब गौतमबुद्ध नगर में स्थानांतरित किया गया है। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि दनकौर क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से वीर एकलव्य से जुड़ा है, जहां उनके साथ छल का प्रसंग जुड़ा रहा है। इसी ऐतिहासिक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए रैली का स्थान बदला गया है। उन्होंने कहा कि 5 अप्रैल को नोएडा इंडोर स्टेडियम में महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर होने वाली यह रैली निषाद पार्टी की पश्चिमांचल में ताकत का प्रदर्शन करेगी और उन लोगों को जवाब देगी, जो पार्टी को केवल पूर्वांचल तक सीमित मानते हैं। निषाद पार्टी को आज प्रदेश में मछुआ समाज की सभी उपजातियों-केवट, मल्लाह, बिंद, कहार, धीवर, कश्यप, तुरैहा, रायकवार समेत अन्य पिछड़ी जातियों का भी समर्थन मिल रहा है, क्योंकि वे जातियां भी अपने आप को पूर्व की सरकारों से ठगा हुआ महसूस करती हैं।

पशु संरक्षण के लिए दिल्ली के सभी जिलों में एसपीसीए समितियां बनाने का निर्णय

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में पशु कल्याण व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। सरकार ने सभी 13 राजस्व जिलों में सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (एसपीसीए) का गठन करने का निर्णय लिया है, जिसकी कमान अब संबंधित जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) के हाथ में होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि राजस्व जिलों के हालिया पुनर्गठन के बाद यह कदम उठाया गया है, ताकि पशु संरक्षण से जुड़े कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन जिला स्तर पर सुनिश्चित किया जा सके। ये सभी एसपीसीए समितियां पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत कार्य करेंगी और इनमें पशु कल्याण के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों व अन्य सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तर पर डीएम की अध्यक्षता में काम करने वाली ये समितियां पशुओं के प्रति क्रूरता के मामलों में तेजी से कार्रवाई, बेहतर निगरानी और समन्वय सुनिश्चित करेंगी, जिससे जमीनी स्तर पर व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर गठित एनिमल वेलफेयर बोर्ड इस पूरी व्यवस्था का शीर्ष निकाय होगा। यह बोर्ड कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेगा और जिला स्तर पर कार्यरत एसपीसीए को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा, जिससे उनकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब अलग से संचालित दिल्ली सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (डीएसपीसीए) को बंद कर दिया जाएगा। इस कदम से व्यवस्था अधिक स्पष्ट, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार पशुओं के संरक्षण और कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य स्तरीय एनिमल वेलफेयर बोर्ड और जिला एसपीसीए का यह संयुक्त ढांचा न केवल संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि राजधानी में पशु कल्याण के परिणामों में भी ठोस सुधार सुनिश्चित करेगा। पशुओं का संरक्षण एक संवेदनशील और जिम्मेदार समाज की पहचान है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये कदम दिल्ली को अधिक मानवीय और उत्तरदायी समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने करोल बाग स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हनुमान जन्मोत्सव पर करोल बाग स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रभु श्रीराम के परम भक्त, अंजनीपुत्र हनुमान जी से दिल्ली के प्रत्येक परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के प्रति हनुमान की अखंड भक्ति, निस्वार्थ सेवा और अद्वितीय पराक्रम सनातन जीवन मूल्यों का सर्वोच्च आदर्श हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि जब हृदय में राम का स्मरण हो, तो हर संकट स्वयं ही दूर हो जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट मोचन हनुमान की कृपा से सभी के जीवन में साहस, सेवा, संयम और समर्पण का संचार हो। उन्होंने सभी को हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हनुमान की भक्ति, शक्ति और सेवा के प्रतीक उनके उच्च आदर्श हमें कर्म के प्रति अटूट निष्ठा और लोककल्याण की प्रेरणा देते हैं। अंजनीपुत्र का स्वरूप हमें यह बोध कराता है कि परम विनम्रता और अदम्य साहस से बड़े से बड़े संकटों पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

दिल्ली आबकारी घोटाला : ईडी की याचिका पर आरोपितों को जवाब देने का अंतिम मौका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश में जांच एजेंसी पर की गई टिप्पणियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने सभी आरोपितों को जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 22 अप्रैल को करने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर की गई टिप्पणियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने सभी आरोपितों को जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान आरोपितों की ओर से पेश वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की। तब ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि इस मामले में जवाब देने की कोई जरुरत नहीं है। तब कोर्ट ने कहा कि आरोपितों की ओर से जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया जाएगा। अगर जवाब दाखिल नहीं किया तो जवाब दाखिल करने का अधिकार खत्म कर दिया जाएगा। 22 अप्रैल को दलीलें सुनी जाएंगी।

कोर्ट ने 10 मार्च को ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए केजरीवाल समेत सभी आरोपितों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है कि जांच एजेंसी के खिलाफ सामान्य टिप्पणी की गई है।

इसके पहले 9 मार्च को कोर्ट ने सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) के मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से सीबीआई पर की गई प्रतिकूल टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि वो दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले की आगे सुनवाई नहीं करें। इस आदेश के बाद ईडी ने भी दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। 9 मार्च को सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि ये दिल्ली के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश को कानूनों के मुताबिक गलत बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की थी। 27 फरवरी को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सभी आरोपितों को बरी करने का आदेश दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास हैं। कोर्ट ने कहा कि हजारों पेन्नों के चार्जशीट में जो तथ्य पेश किए गए हैं वे गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन जेल में रहे। केजरीवाल 13 सितंबर 2024 को तब रिहा हुए जब उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई के मामले में जमानत दी। ईडी ने 21 मार्च 2024 को अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 10 मई 2024 को उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को एक जून 2024 तक की अंतरिम जमानत दी थी, जिसके बाद केजरीवाल ने 2 जून 2024 को आत्मसमर्पण किया था। केजरीवाल को 26 जून 2024 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने 10 मई 2024 को छठी पूरक चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें बीआरएस नेता के कविता, चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद सिंह को आरोपित बनाया गया। कोर्ट ने 29 मई को छठी पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 27 अगस्त को उच्चतम न्यायालय ने के. कविता को सीबीआई और ईडी के मामले में जमानत दी थी। उच्चतम न्यायालय ने 13 सितंबर 2024 को केजरीवाल को सीबीआई के मामले में नियमित जमानत दी थी। उसके पहले उच्चतम न्यायालय ने 12 जुलाई 2024 को ईडी के मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी।

पालम में एलपीजी रिफिलिंग गिरोह का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी करने और रिफिलिंग गिरोह चलाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के पास से 45 घरेलू गैस सिलेंडर और एक टेंपो बरामद किया गया है। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित गोयल ने बताया कि आरोपियों की पहचान अनार सिंह, सत्यवीर और विकास कुमार के तौर पर हुई है, जो दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों के निवासी हैं। गोयल के मुताबिक, तीनों पर आवासीय क्षेत्र में एलपीजी सिलेंडर के अवैध भंडारण और अवैध तरीके से सिलेंडर में गैस भरने में शामिल होने का आरोप है, जिससे सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। उन्होंने बताया कि इस गिरोह का 28 मार्च को उस समय भंडाफोड़ हुआ, जब

पालम पुलिस की एक टीम ने सूचना के आधार पर आदर्श गली में एक खाली प्लॉट पर छापा मारा, जहां उसे बड़ी संख्या में भारत गैस कंपनी के सिलेंडर और एक टेंपो खड़ा मिला। गोयल के अनुसार, कुल 45 एलपीजी सिलेंडर, गैस भरने के लिए इस्तेमाल होने वाले तीन उपकरण और वजन तोलने वाली मशीन जब्त की गई है। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने सिलेंडर की जमाखोरी के लिए प्लॉट किराये पर लिया था।

मंत्री इंद्राज हनुमान जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए

नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह गुरुवार को हनुमान जयंती पर बवाना विधानसभा क्षेत्र के शाहबाद दौलतपुर, बवाना, औचंदी, कुतुबगढ़, जाट खोर एवं कृष्ण विहार में आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। शाहबाद दौलतपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रविंद्र इंद्राज सिंह ने श्रीराम एवं हनुमान की भव्य प्रतिमाओं के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि हनुमान जी का जीवन हमें निःस्वार्थ सेवा, अटूट समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति अडिग निष्ठा का संदेश देता है। बवाना, औचंदी एवं कुतुबगढ़ क्षेत्रों में श्रद्धालुओं द्वारा मंत्री को हनुमान जी की सुंदर तस्वीर एवं प्रतिमा भेंट की गई। इस अवसर पर मंत्री ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे स्नेह और आशीर्वाद से जनसेवा के प्रति उनका संकल्प और सशक्त होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु हनुमान असीम शक्ति, दृढ़ विश्वास और निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं, जो हमें साहस, संयम और जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। जाट खोर क्षेत्र में आयोजित हवन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मंत्री ने प्रसाद वितरण में भाग लिया तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया।

हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा गुरुवार को चैत्र सुदी पूर्णिमा के अवसर पर दिल्ली के विभिन्न प्राचीन मंदिरों में आयोजित पूजा कार्यक्रमों में शामिल हुए और प्रदेश के नागरिकों को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा चांदनी चौक स्थित पत्थर वाला हनुमान मंदिर पहुंचे और वहां पूजा अर्चना करके दिल्ली एवं देशवासियों की खुशहाली एवं खाड़ी में चल रहा युद्ध शीघ्र रुकने की प्रार्थना की ताकि महंगाई का असर दिल्ली वालों पर ना पड़े। वीरेंद्र सचदेवा के साथ विधायक एवं यमुनापार विकास बोर्ड अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली और स्थानीय निगम पार्षद सुमन कुमार गुप्ता ने भी पत्थरवाला मंदिर में दर्शन किये और महंत गौरव शर्मा से आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही सचदेवा ने कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में दर्शन किये और महंत सुरेश शर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया। वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-3, गीता कालोनी, कृष्णा नगर स्थित सिद्ध हनुमान मंदिरों में भी आयोजित हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए और एकत्र भक्तजनों को शुभकामनाएं दीं।

केजरीवाल ने गुजरात कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर जताई चिंता

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संजोयक अरविंद केजरीवाल ने विधायकों और कार्यकर्ताओ की गिरफ्तारी को लेकर गुरुवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा। उन्होंने कहा कि उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी उनसे मिलेंगे। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी अपने पत्र में कहा है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों के पहले अवैध रूप से बड़े स्तर पर आआपा के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। सरकार आआपा की बढ़ती लोकप्रियता से डर गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि, अगर विपक्ष के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेल भेजकर ही सरकार चुनाव जीतना चाहती है तो चुनाव कराने की ही क्या जरूरत है? उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में आम आदमी पार्टी के 160 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्हें जानकारी मिली है कि आने वाले दिनों में पार्टी के 10 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने की योजना बनाई जा रही है। गुजरात पुलिस ने प्रदेश अध्यक्ष ईनगढ़ी को भी गिरफ्तार कर लिया था और देर रात छोड़ दिया। ईनगढ़ी अपने कार्यकर्ताओं की अवैध गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि गुजरात पुलिस की कार्रवाई स्थानीय निकाय चुनाव से पहले और तेज हो गई है। पिछले 48 घंटों में पार्टी कार्यकर्ताओं की तीन मामलों में गिरफ्तारी हुई है। इनमें 31 मार्च को खंभालिया से दीपक सिंह, 30 और 31 मार्च को पोरबंदर से पवन और जगदीश तथा जामनगर से नवीन कावरान, मुना कुमार, आलोक सिंह और सुनीलराज को गिरफ्तार किया गया है।

हनुमान जन्मोत्सव पर शोभा यात्रा आयोजित, सौरभ भारद्वाज ने श्रद्धालुओं का जताया आभार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ के नेतृत्व में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा प्राचीन शिव मंदिर चिराग दिल्ली से शुरु की गई। हनुमान जन्मोत्सव शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर सौरभ भारद्वाज ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। आआपा दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। उन्होंने

सभी श्रद्धालुओं को इस आयोजन में शामिल होने और इसे सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। सौरभ भारद्वाज ने प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान हनुमान दिल्ली, देश और पूरी दुनिया को आशीर्वाद दें, ताकि वैश्विक स्तर पर चल रहे संघर्ष और तनाव समाप्त हों तथा विश्व में शांति और विकास को बढ़ावा मिले।

वीरेंद्र सचदेवा ने राघव चड्ढा को लेकर केजरीवाल पर लगाया कमजोर नेतृत्व का आरोप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी (आआपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया जाना पार्टी के भीतर गहरे मतभेदों का संकेत है। वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी में असंतोष बढ़ रहा है और वरिष्ठ नेता उनसे दूरी बना रहे हैं। सचदेवा ने कहा कि चड्ढा को न सिर्फ पद से हटाया गया, बल्कि उन्हें सदन में बोलने का समय न देने की सिफारिश भी की गई, जो पार्टी के अंदरूनी हालात को उजागर करता है। उन्होंने आगे कहा कि पहले स्वाति मालीवाल और अब राघव चड्ढा जैसे प्रमुख नेता केजरीवाल से दूर हो गए हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अरविंद केजरीवाल को "कमजोर नेता" बताते हुए कहा कि उनमें न तो विपक्ष का सामना करने का साहस है और न ही अपनी ही पार्टी के अंदर उठ रहे सवालों का जवाब देने की क्षमता। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अगर केजरीवाल में नैतिक जिम्मेदारी होती तो वे असहमति रखने वाले नेताओं पर स्पष्ट कार्रवाई करते, लेकिन वे ऐसा करने से बचते रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने वारदात की फिराक में घूम रहे बदमाश को किया गिरफ्तार, चाकू बरामद

नई दिल्ली। पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया (पीआईए) थाना पुलिस ने आईएसबीटी रोड नंबर 56, आनंद विहार के पास एक बदमाश को पकड़ लिया। आरोपी के पास एक अवैध बटन वाला चाकू और चोरी का एक मोबाइल फोन मिला। सड़क पर होने वाले अपराधों और हथियारों के अवैध कब्जे पर रोक लगाने के चल रहे प्रयासों के मद्देनजर पीआईए थाना पुलिस के स्टाफ को निगरानी बढ़ाने और संवेदनशील इलाकों में सक्रिय गश्त करने के निर्देश दिए गए थे। अपराध की प्रभावी रोकथाम के लिए पीआईए थाना पुलिस के एसएचओ के नेतृत्व में और मधु विहार एसीपी तिलक चंद्र बिष्ट के पर्यवेक्षण में एक विशेष पुलिस टीम तैनात की गई थी। 31 मार्च को दोपहर लगभग 1:50 बजे, एचसी सचिन और कॉन्सटेबल संदीप आईएसबीटी रोड नंबर 56 में आउट गेट के सामने के पास नियमित गश्त ड्यूटी पर थे। इस दौरान उन्होंने एक लड़के को संदिग्ध तरीके से घूमते हुए देखा। पुलिस को देखते ही वह व्यक्ति घबरा गया और गाजीपुर की ओर भागने की कोशिश करने लगा। उसके संदिग्ध आचरण को भांपते हुए पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई की और थोड़ी दूर तक पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया। पुलिस ने उस संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध बटन वाला चाकू और एक मोबाइल बरामद हुआ। लगातार पूछताछ करने पर आरोपी ने अपनी पहचान दीपक उर्फ हकलाना के रूप में बताई, जो झुग्गी महात्मा गांधी कैंप, शशि गार्डन (दिल्ली) का निवासी है और उसकी उम्र 28 वर्ष है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह चाकू का इस्तेमाल करके चोरी/झपटमारी करने के इरादे से इलाके में घूम रहा था। पुलिस टीम की सतर्क गश्त और समय पर हस्तक्षेप के कारण होने वाले अपराध को सफलतापूर्वक रोक दिया गया। पीआईए थाना पुलिस में धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में आगे की जांच चल रही है, जिसमें बरामद मोबाइल फोन का सत्यापन और अन्य मामलों में उसकी संभावित संलिप्तता की जांच शामिल है।

डीएचसीबीए ने हर माह के पहले और तीसरे शनिवार को हड़ताल पर रहने का आह्वान किया

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (डीएचसीबीए) ने हर माह के पहले और तीसरे शनिवार को हड़ताल पर रहने का आह्वान किया है। उच्च न्यायालय के वकीलों ने शनिवार को भी कोर्ट में न्यायिक काम जारी रहने के फैसले को लेकर नाराजगी जतायी है। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने 2 अप्रैल को जारी नोटिस में महीने के पहले और तीसरे शनिवार को न्यायिक कार्यों के बहिष्कार का आह्वान किया है। नोटिस में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से कहा है कि 4 अप्रैल से न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। बार एसोसिएशन ने कहा है कि उच्च न्यायालय के प्रशासन को कई बार इस संबंध में प्रतिवेदन देकर अनुरोध किया गया कि शनिवार को न्यायिक कार्य अनिवार्य रुप से करने के फैसले पर पुनर्विचार किया जाए लेकिन उच्च न्यायालय प्रशासन ने फैसले पर कोई पुनर्विचार नहीं किया। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा कि कार्यकारिणी को वकीलों की ओर से ये शिकायतें मिल रही थीं कि शनिवार को कोर्ट के चलते रहने से कई व्यावहारिक

परेशानियां उत्पन्न हो रही हैं। इससे वकीलों का प्रोफेशनल शेड्यूल बिगड़ गया है। वकील विभिन्न ट्रिब्यूनल्स, आर्बिट्रेशन, मध्यस्थता और दिल्ली के बार के कोर्ट का काम नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा वकीलों को केस की तैयारी के लिए समय और मुवक्किल के साथ मीटिंग में भी दिक्कतें आ रही हैं। कुल मिलाकर वकीलों को अपने प्रोफेशनल दक्षता में परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। 15 जनवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया, जिसमें कहा गया था कि हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को कोर्ट न्यायिक कार्य करेगी। इसके पहले उच्च न्यायालय में कुछ अपवादों को छोड़कर शनिवार को न्यायिक कार्य नहीं होते थे यानी कोर्ट में सुनवाई नहीं होती थी।

मोबाइल चोर गिरफ्तार, 11 लूटे गए मोबाइल बरामद

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली अपना मोबाइल डिस्चार्ज होने पर एक मिनट के लिए चोरी का मोबाइल ऑन करना झपटमार को भारी पड़ गया। मोबाइल की लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने शातिर झपटमार को कल्याणपुरी से धर दबोचा गया। उसके पास से लूटे गए 11 मोबाइल बरामद किए गए हैं। डीसीपी पूर्वी जिला राजीव कुमार ने बताया कि पिछले दिनों न्यू अशोक नगर, गाजीपुर, लक्ष्मी नगर आदि इलाकों से मोबाइल झपटमारी की शिकायतें मिली थीं। इसी कड़ी में जिला के स्पेशल स्टाफ को लगाया गया था। स्टाफ ने एक चोरी के मोबाइल की लोकेशन कल्याणपुरी ट्रेस की। इसके बाद सीसीटीवी की मदद से झपटमार को दबोच लिया गया। आरोपित की पहचान कोंडली निवासी अक्षण उर्फ अक्कू के रूप में हुई है। वह पहले भी कई झपटमारी के मामलों में शामिल रहा है। बरामद मोबाइल फोन कल्याणपुरी, न्यू अशोक नगर, गाजीपुर, लक्ष्मी नगर, शकरपुर और मधु विहार थाना क्षेत्रों से लूटे गए थे। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने कल्याणपुरी की एक दुकान पर बर्गर खाया था।

दिल्ली में बच्चों की तस्करी पर सरकार विफल: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में बच्चों की तस्करी और लापता होने के मामलों को लेकर केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा राजधानी को बच्चों की तस्करी की मंडी बताया जाना शासन-प्रशासन की विफलता को उजागर करता है। देवेंद्र यादव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में बड़ी संख्या में बच्चे लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांश गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों से हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मामलों में पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता अपेक्षित स्तर की नहीं है, जिसके कारण तस्करी की घटनाओं में कमी नहीं आ पा रही है। उन्होंने बताया कि बस अड्डों, रेलवे परिसरों और सार्वजनिक स्थानों पर बच्चों की तस्करी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जबकि रेल मंत्रालय, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और दिल्ली पुलिस द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया लागू किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने के तुरंत बाद खोजबीन

शुरू करने और निर्धारित समय में प्राथमिकी दर्ज करने के नियम केवल कागजों तक सीमित हैं। देवेंद्र यादव के अनुसार, आंकड़ों से स्पष्ट है कि राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। पिछले वर्षों में हजारों बच्चे और लोग लापता हुए हैं, जिनमें से कई अब तक नहीं मिल सके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बड़ी संख्या में बच्चों को बचाया गया है, फिर भी तस्करी के नेटवर्क सक्रिय हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि राजधानी में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

संपादकीय

अमेरिका ने रखी 15 शर्तें

अमेरिका ने ईरान के साथ जारी युद्ध के करीब एक महीने बाद समझौते की इच्छा जताते हुए 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि दोनों देशों की शर्तें कड़ी हैं और भरोसे की कमी बड़ी बाधा बनी हुई है। फिलहाल शांति के लिए हमले रोककर साझा समाधान तलाशना जरूरी है, क्योंकि सैन्य ताकत से सिर्फ तबाही बढ़ेगी। ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है। यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी जिद छोड़नी होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें हैं। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी हैं, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे। हालांकि पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है। ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने-सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी। अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। इससे पहले हुई सारे वार्ताएं नाकाम रही हैं और उनके दरम्यान ही अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में तेहरान की हिचक समझी जा सकती है।बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद किए जाएं। यह नहीं हो सकता कि ट्रंप संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ाते जाएं। अब तक के संघर्ष ने इतना तो बता दिया कि ताकत के जोर से सिर्फ तबाही ही मिलेगी। ट्रंप को इस्राइल को भी हमले रोकने के लिए मनाना होगा, क्योंकि अगर कोई भी पक्ष समझौते का पालन नहीं करता है, तो शांति का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। दोनों देशों की जिद की वजह से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। आने वाले दिनों में महंगाई आसपाम छू सकती है।

कमीशन लेकर किताबें बेच रहे प्राइवेट स्कूल

आज शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। निजी स्कूलों की संख्या बढ़ी है, प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, और साथ ही बढ़ा है शिक्षा का खर्च। लेकिन इस बढ़ते खर्च के पीछे यदि गुणवत्ता, बेहतर सुविधाएं और आधुनिक संसाधन हों, तो इसे एक हद तक उचित ठहराया जा सकता है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब शिक्षा के नाम पर अभिभावकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ के नीचे दबाया जाने लगे। किताबों के नाम पर लिया जा रहा भारी कमीशन इसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण है। कई निजी विद्यालय अभिभावकों को यह निर्देश देते हैं कि वे केवल स्कूल द्वारा निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदें या सीधे स्कूल परिसर से किताबें लें। यह स्थिति एक प्रकार का एकाधिकार (मोनोपॉली) पैदा करती है, जहां अभिभावकों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। खुले बाजार में उपलब्ध सस्ती या वैकल्पिक पुस्तकों को खरीदने की स्वतंत्रता उनसे छीन ली जाती है। परिणामस्वरूप, उन्हें मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा कमीशन के रूप में शामिल होता है। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का भी घोर अभाव है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

शिक्षा को सदैव समाज की आत्मा, विकास का आधार और समान अवसरों का सेतु माना गया है। यह केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के निर्माण की प्रक्रिया भी है। परंतु जब यही शिक्षा लाभ कमाने का साधन बन जाए, तो यह चिंता का विषय ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के लिए एक गंभीर चेतावनी बन जाती है। हाल ही में सामने आई खबर कि कुछ निजी विद्यालय 50 प्रतिशत तक कमीशन लेकर किताबें बेच रहे हैं, इस चिंता को और अधिक गहरा करती है। यह केवल एक प्रशासनिक अनियमितता नहीं, बल्कि शिक्षा के मूल स्वरूप पर सीधा आघात है।

आज शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। निजी स्कूलों की संख्या बढ़ी है, प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, और साथ ही बढ़ा है शिक्षा का खर्च। लेकिन इस बढ़ते खर्च के पीछे यदि गुणवत्ता, बेहतर सुविधाएं और आधुनिक संसाधन हों, तो इसे एक हद तक उचित ठहराया जा सकता है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब शिक्षा के नाम पर अभिभावकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ के नीचे दबाया जाने लगे। किताबों के नाम पर लिया जा रहा भारी कमीशन इसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण है। कई निजी विद्यालय अभिभावकों को यह निर्देश देते हैं कि वे केवल स्कूल द्वारा निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदें या सीधे स्कूल परिसर से किताबें लें। यह स्थिति एक प्रकार का एकाधिकार (मोनोपॉली) पैदा करती है, जहां अभिभावकों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। खुले बाजार में उपलब्ध सस्ती या वैकल्पिक पुस्तकों को खरीदने की स्वतंत्रता उनसे छीन ली जाती है। परिणामस्वरूप, उन्हें मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा कमीशन के रूप में शामिल होता है। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता

का भी घोर अभाव है। अभिभावकों को यह नहीं बताया जाता कि किन आधारों पर इन पुस्तकों का चयन किया गया है, उनकी वास्तविक कीमत क्या है, और उन पर कितना अतिरिक्त लाभ जोड़ा गया है। कई बार तो यह भी देखा गया है कि एक ही विषय की पुस्तक हर वर्ष बदल दी जाती है, ताकि पुरानी किताबें किसी काम की न रहें और नई किताबें खरीदने के लिए अभिभावक बाध्य हों। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक शोषण को बढ़ावा देती है, बल्कि संसाधनों की अनावश्यक बर्बादी भी करती है। यह स्थिति केवल आर्थिक दृष्टि से ही चिंताजनक नहीं है, बल्कि यह शिक्षा के मूल उद्देश्य को भी कमजोर करती है। जब विद्यालय ज्ञान के केंद्र के बजाय लाभ कमाने के साधन बन जाते हैं, तो शिक्षा का मूल्य स्वतः ही गिरने लगता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच का संबंध, जो कभी विश्वास और मार्गदर्शन पर आधारित होता था, धीरे-धीरे एक औपचारिक लेन-देन में बदलने लगता है। बच्चों के समग्र विकास की जगह संस्थान का आर्थिक लाभ प्राथमिकता बन जाता है।

अभिभावकों की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक दयनीय हो जाती है। वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए सर्वोत्तम शिक्षा चाहते हैं, लेकिन उन्हें बार-बार आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ता है। मध्यमवर्गीय और निम्नवर्गीय परिवारों के लिए यह बोझ और भी अधिक भारी हो जाता है। कई बार वे अपनी अन्य आवश्यकताओं में कटौती करके इन खर्चों को पूरा करते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को भी बढ़ावा देती है, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल उन लोगों तक सीमित होती जा रही है, जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं।

इस पूरे मुद्दे का एक और महत्वपूर्ण पहलू है-सिलेबस में बार-बार होने वाला बदलाव। हर वर्ष या दो वर्ष में पाठ्यक्रम में छोटे-मोटे बदलाव कर दिए जाते हैं, जिससे पुरानी किताबें अप्रासंगिक हो जाती हैं। यह बदलाव अक्सर शैक्षणिक आवश्यकता से अधिक व्यावसायिक हितों से प्रेरित प्रतीत होता है। यदि पाठ्यक्रम में वास्तव में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, तो केवल किताबों के संस्करण बदलना और नई किताबें अनिवार्य करना कहीं न कहीं संदेह पैदा करता है। सबसे चिंताजनक पहलू है-शिक्षा विभाग की निष्क्रियता। नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कोई भी स्कूल अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। इसके बावजूद, यह प्रथा खुलेआम जारी है। इसका अर्थ यह है कि या तो नियमों का पालन नहीं हो रहा, या फिर उनके पालन को सुनिश्चित करने की इच्छाशक्ति का अभाव है। यह खामोशी कहीं न कहीं इस व्यवस्था को मौन स्वीकृति देती प्रतीत होती है।

यह भी आवश्यक है कि हम इस समस्या को केवल आलोचना तक सीमित न रखें, बल्कि इसके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने की बात करें। सबसे पहले, शिक्षा विभाग को इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए और दोषी पाए जाने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। केवल चेतावनी या औपचारिक नोटिस पर्याप्त नहीं होंगे; आवश्यक है कि ऐसे मामलों में दंडात्मक कार्रवाई भी हो, ताकि एक स्पष्ट संदेश जाए।

दूसरे, किताबों की बिक्री में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्कूलों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे कौन-सी किताबें क्यों निर्धारित कर रहे हैं और उनकी कीमत क्या है। यदि संभव हो, तो सभी किताबों की सूची ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाए, ताकि अभिभावक कहीं से भी उन्हें खरीद सकें। इससे एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बनी रहेगी और कीमतों में अनावश्यक वृद्धि पर रोक लगेगी। तीसरे, सिलेबस में बार-बार होने वाले अनावश्यक बदलावों पर भी नियंत्रण होना चाहिए। यदि पाठ्यक्रम में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं है, तो किताबों को बार-बार बदलने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इससे न केवल अभिभावकों का आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलेगा।

चौथे, अभिभावकों को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा। वे यदि संगठित होकर अपनी बात रखते हैं, तो इस प्रकार की प्रथाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। समाज के अन्य वर्गों, जैसे सामाजिक संगठनों और मीडिया को भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाना चाहिए। अंततः, हमें यह समझना होगा कि शिक्षा कोई वस्तु नहीं है, जिसे मुनाफे के लिए बेचा जाए। यह एक सामाजिक दायित्व है, जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को निर्धारित करता है। यदि इस क्षेत्र में अनियंत्रित व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया गया, तो इसका दुष्प्रभाव केवल वर्तमान पर ही नहीं, बल्कि आने वाले समय पर भी पड़ेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य की ओर लौटाया जाए-ज्ञान, संस्कार और समान अवसर। यदि हम इस दिशा में समय रहते कदम नहीं उठाते, तो वह दिन दूर नहीं जब शिक्षा पूरी तरह एक व्यापार बन जाएगी, जहां किताबों के पन्नों में ज्ञान नहीं, बल्कि केवल लाभ-हानि का हिसाब लिखा होगा।

भारत के लिए मुद्रा योजना बनी सूक्ष्म उद्यमों की ताकत

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था की जड़ों में यदि किसी क्षेत्र की सबसे अधिक भूमिका है, तो वह है सूक्ष्म और लघु उद्यमों का विशाल नेटवर्क की। यही कारण है कि वर्ष 2015 में शुरू की गई "प्रधानमंत्री मुद्रा योजना" ने बीते एक दशक में देश के करोड़ों लोगों को वित्तीय सहारा देने के साथ आर्थिक संरचना को भीतर से मजबूत करने का कार्य किया है। हालिया फैक्ट-शीट के अनुसार, इस योजना के तहत अब तक 52.37 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं और इनके माध्यम से 33.65 लाख करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई है।

वस्तुतः भारत में लंबे समय तक छोटे उद्यमियों के सामने सबसे बड़ी समस्या रही है कि बिना गारंटी के सुलभ ऋण की उपलब्धता कैसे संभव हो सकती है। पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था में जटिल प्रक्रियाओं और गारंटी की शर्तों के कारण छोटे कारोबारी अक्सर वित्तीय सहायता से वंचित रह जाते थे। ऐसे में मुद्रा योजना ने इस बाधा को तोड़ते हुए बैंक, एनबीएफसी और माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के माध्यम से बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराकर उद्यमिता को नई दिशा दी। यही कारण है कि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी वैश्विक संस्थाओं ने भारत में वित्तीय समावेशन की

दिशा में इस प्रकार के प्रयासों को महत्वपूर्ण माना है। विश्व बैंक की रिपोर्टों में यह स्पष्ट किया गया है कि वित्तीय पहुंच का विस्तार आर्थिक असमानता को कम करने और विकास को समावेशी बनाने में निर्णायक भूमिका निभाता है।

मुद्रा योजना की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है महिलाओं की बढ़ती भागीदारी। कुल ऋणों में लगभग 70 प्रतिशत महिला उद्यमियों को दिए गए हैं, जोकि यह दर्शाता है कि उक्त योजना सामाजिक परिवर्तन का भी माध्यम बनी है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में महिलाएं अब स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं।

नीति आयोग की विभिन्न रिपोर्टों में इस तथ्य को रेखांकित किया गया है कि महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ने से समग्र विकास दर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और सामाजिक संतुलन भी मजबूत होता है। इसी तरह, सामाजिक न्याय की दृष्टि से भी यह योजना अत्यंत प्रभावी साबित हुई है। लगभग 50 प्रतिशत ऋण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थियों को दिए गए हैं। वस्तुतः यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि योजना ने आर्थिक अवसरों को समाज के उन वर्गों तक पहुंचाया है।

इसके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्टों में भी इस बात पर बल दिया गया है कि समावेशी विकास के लिए वित्तीय संसाधनों का समान वितरण आवश्यक है और मुद्रा योजना इस दिशा में एक मजबूत कदम है। दरअसल योजना की संरचना को देखें तो इसे तीन प्रमुख श्रेणियों शिशु, किशोर और तरुण में विभाजित किया गया है, जिसे कि उद्यमों के विभिन्न विकास चरणों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। शिशु श्रेणी में 50 हजार रुपये तक के ऋण दिए जाते हैं और कुल ऋणों का लगभग 78 प्रतिशत इसी श्रेणी में है।

वस्तुतः यह दर्शाता है कि देश में बड़ी संख्या में लोग छोटे स्तर पर व्यवसाय शुरू कर रहे हैं। वहीं किशोर श्रेणी, जिसमें 50 हजार से पांच लाख रुपये तक के ऋण शामिल हैं। कुल संख्या का लगभग 20 प्रतिशत है, लेकिन राशि के लिहाज से इसकी हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है। इससे यह संकेत मिलता है कि छोटे व्यवसाय अब विस्तार की ओर बढ़ रहे हैं। तरुण श्रेणी में पांच से 10 लाख रुपये तक के ऋण दिए जाते हैं, जिसकी संख्या भले ही सिर्फ दो प्रतिशत है, किंतु कुल राशि में इसकी हिस्सेदारी 24 प्रतिशत है, जोकि यह दर्शाती है कि विकसित हो रहे उद्यमों की पूंजी आवश्यकताएं तेजी से बढ़ रही हैं। सरकार ने इस योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 'तरुण प्लस' श्रेणी की शुरुआत की है जिसके तहत 10 लाख से 20 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। यह उन उद्यमियों के लिए एक बड़ा अवसर है, जिन्होंने पहले मुद्रा ऋण लेकर अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक स्थापित किया है और अब उसे आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसके साथ ही 'क्रेडिट गारंटी फंड फॉर माइक्रो यूनिट्स' के माध्यम से ऋण पर गारंटी कवरेज प्रदान किया जा रहा है, जिससे वित्तीय संस्थानों का जोखिम कम होता है और उद्यमियों को आसानी से ऋण मिल पाता है।

यहां अच्छी बात यह है कि मुद्रा योजना का प्रभाव व्यक्तिगत स्तर तक सीमित न होकर इसका व्यापक आर्थिक प्रभाव भी देखने को मिला है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्टों के अनुसार, छोटे और सूक्ष्म उद्यम विकासशील देशों में रोजगार सृजन का सबसे बड़ा स्रोत होते हैं। भारत में भी इस योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। इससे देश की बेरोजगारी में कमी आई है, साथ में स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी मजबूती मिली है। इसके अतिरिक्त, यह योजना असंगठित क्षेत्र को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी बनी है। जब कोई उद्यमी बैंकिंग प्रणाली से जुड़ता है, तो उसका वित्तीय रिकॉर्ड तैयार होता है, जिससे उसे भविष्य में और अधिक वित्तीय अवसर प्राप्त होते हैं। विश्व आर्थिक मंच ने भी अपनी रिपोर्टों में भारत को डिजिटल और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में स्वीकार किया है और मुद्रा योजना इस परिवर्तन की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस तरह समग्र रूप से देखें और इसके बारे में कहें तो आज यही कहना होगा कि कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने भारत की अर्थव्यवस्था में एक संरचनात्मक परिवर्तन की नींव रखी है। यह योजना उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है। आने वाले समय में यदि इसे कौशल विकास, डिजिटल प्लेटफॉर्म और वैश्विक बाजारों से जोड़ दिया जाएगा तो यह भारत को विश्व की अग्रणी उद्यमशील अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। देखते हैं भारत सरकार अब इस बारे में क्या निर्णय लेती है!

वास्तु शास्त्र: घर में कितनी होनी चाहिए सीढ़ियों की संख्या? पढ़ लें सही दिशा से जुड़ा ये नियम

वास्तु शास्त्र की वजह से जिंदगी में आने वाली मुश्किलें कम होती हैं। शास्त्र के कुछ नियमों का पालन अगर किया जाए तो घर का वातावरण भी शुद्ध होता है और किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा की गुजाइंश नहीं होती है। जब भी घर बनता है तो हर किसी का ध्यान इसी ओर होता है कि घर की दीवारें किस रंग की होगी या फिर फर्नीचर कैसा रखा जाए। हालांकि सीढ़ियां भी घर का अहम हिस्सा होती है। कई लोग सीढ़ियों से जुड़े वास्तु नियम नहीं जानते हैं लेकिन अगर सही तरीके से सीढ़ियों की संख्या और दिशा को तय किया जाए तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। अगर यही चीज सही ना हो को घर का वास्तु भी सही नहीं होता है और हम काम में बाधा भी आने लगती है। ऐसे में सीढ़ियों से जुड़े वास्तु नियमों का पता होना जरूरी है। तो आइए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार घर में सीढ़ियों की संख्या हमेशा विषम होनी चाहिए। शास्त्र के हिसाब से विषम सीढ़ियां घर के वास्तु के लिए सही होती हैं और इसे काफी अच्छा माना जाता है। घर में विषम संख्या की सीढ़ियां बरकत लाती और माहौल भी पॉजिटिव रहता है। नियम अनुसार घर की सीढ़ियों की संख्या 9, 11, 15, 17 या फिर 21 होनी चाहिए। इसे आगे बढ़ाते हुए भी संख्या विषम में ही रखें। ऐसी मान्यता है कि सीढ़ियों पर चढ़ते हुए आखिरी वाले स्टेप पर जब हम अपना दायां पैर रखते हैं तो इसे काफी अच्छा माना जाचा है। जब सीढ़ियों की संख्या विषम होती है तो ऐसी स्थिति में ही ये संभव होता है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और माहौल अनुकूल होता है। अब आपके मन में ये सवाल आ रहा होगा कि आखिर सम संख्या की सीढ़ियां क्यों नहीं हो सकती है। आम तौर पर लोग सीढ़ियों की संख्या पर ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे में जाने-अनजाने में लोगों की सीढ़ियां सम भी होती हैं लेकिन वास्तु अनुसार ये सही नहीं है। वास्तु शास्त्र के हिसाब से सम सीढ़ियां हमारी ग्रोथ में बाधा लाती हैं। इससे काम में रुकावट आते हैं और मेंटल स्ट्रेस भी बढ़ने लगता है। अब जान लेते हैं कि आखिर सीढ़ियों के लिए सही दिशा कौन सी है? नियम के हिसाब से अगर सीढ़ियों को दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनवाया जाए तो ये काफी अच्छा माना जाता है। वहीं उत्तर-पूर्व की ओर सीढ़ियों को बनवाने से बचना चाहिए। दरअसल वास्तु की नजर में ये ईशान कोण होता है जोकि भगवान की दिशा मानी जाती है। इस दिशा में कोई भी भारी सामान ना तो रखना चाहिए और ना ही कुछ बनवाना चाहिए।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- 2001 - संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत यात्रा पर पहुँचे, भारत और डेनमार्क के बीच चार वर्ष के बाद पुनः वार्ता।
- 2002 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ की जनमत संग्रह की योजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली।
- 2006 - नेपाल में माओवादियों ने संघर्षविराम की घोषणा की।
- 2007 - नई दिल्ली में 14वाँ सार्क सम्मेलन शुरू।
- 2008 - प्रकाश करात को माकपा का पुनः महासचिव चुना गया। मेधा पाटकर को राष्ट्रीय क्रांतिवीर अवार्ड, 2008 से अलंकृत किया गया।

जन्मे व्यक्ति

- 1903 - कमलादेवी चट्टोपाध्याय - समाजसुधारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा भारतीय हस्तकला के क्षेत्र में नवजागरण लाने वाली गांधीवादी महिला।
- 1914 - सैम मानेकशॉ - भारतीय सेना के भूतपूर्व अध्यक्ष, जिनके नेतृत्व में भारत ने सन 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में विजय प्राप्त की थी।
- 1918 - ओलेस गोनचार, प्रसिद्ध उक्रेनी लेखक तथा उपन्यासकार।
- 1929 - निर्मल वर्मा- साहित्यकार
- 1931 - मन्नू भंडारी- साहित्यकार
- 1949 - सोम प्रकाश - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
- 1952 - रविन्द्र नारायण रवि - बिहार के राजनीतिज्ञों में से एक हैं।
- 1954 - डॉ. के. कृष्णास्वामी- राजनेता और फिजीशियन
- 1955 - हरिहरन - प्रसिद्ध भारतीय ग़ज़ल गायक तथा पार्श्वगायक हैं।
- 1958 - जया प्रदा- अभिनेत्री

निधन

- 1325 - निज़ामुद्दीन औलिया, चिश्ती सम्प्रदाय के चौथे संत।
- 1680 - शिवाजी- मराठा साम्राज्य के संस्थापक।
- 1989 - विष्णु सहाय - भारतीय राज्य असम और नागालैंड के राज्यपाल थे।
- 2010 - अनंत लागू, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के छह संस्थापक सदस्यों में से एक थे।
- 2017 - किशोरी अमोनकर - हिंदुस्तानी शास्त्रीय परंपरा की प्रमुख गायिकाओं में से एक और जयपुर घराने की अग्रणी गायिका।
- 2021 - राधेश्याम खेमका - प्रसिद्ध पत्रकार और साहित्यकार थे।

सम्राट अशोक का भारतीय इतिहास में स्थान

-अशोक "प्रवृद्ध"-

भारतीय इतिहास के फलक पर सम्राट अशोक एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र हैं, जिनका प्रभाव केवल सीमाओं को जीतने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने मानवीय हृदय को जीतने का मार्ग प्रशस्त किया। मौर्य वंश के तीसरे शासक के रूप में अशोक का महत्व केवल एक चक्रवर्ती सम्राट होने में नहीं, बल्कि एक धम्म-विजयी सुधारक के रूप में है। अशोक का सबसे बड़ा महत्व उनके हृदय परिवर्तन में निहित है। कलिंग युद्ध के भीषण रक्तपात ने उन्हें विजय की पारंपरिक परिभाषा बदलने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने भेरीघोष अर्थात युद्ध का नाद को त्यागकर धम्मघोष अर्थात नैतिकता का नाद को अपनाया। इतिहास में यह विरल उदाहरण है, जहां एक विजेता ने अपनी शक्ति के चरमोत्कर्ष पर हिंसा का परित्याग कर दिया हो। अशोक ने धम्म के रूप में एक साझा नैतिक संहिता प्रस्तुत की। यह कोई संकुचित धर्म नहीं था, बल्कि माता-पिता की सेवा, बड़ों का सम्मान, जीव दया और सहिष्णुता जैसे मानवीय मूल्यों का मिश्रण था। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में उन्होंने भाषाई और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया। अशोक ने राजत्व के सिद्धांत को एक नया आयाम दिया। उन्होंने उद्घोषणा की-सबे मुनिसे पजा ममा अर्थात सभी मनुष्य मेरी संतान हैं। सड़कों के किनारे छायादार वृक्ष लगवाना, कुएं खुदवाना, और मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं के लिए भी चिकित्सालय बनवाना उनकी दूरगामी सोच को दर्शाता है। वे जन कल्याणकारी राज्य का मॉडल अर्थात आधुनिक वेलफेयर स्टेट के प्राचीन प्रणेता थे। भारतीय कला को पत्थरों के माध्यम से अमर बनाने का श्रेय अशोक को ही जाता है। उनके द्वारा स्थापित एकाश्म स्तंभ अर्थात मोनोलिथिक पिल्लर्स और शिलालेख न केवल स्थापत्य कला के उत्कृष्ट नमूने हैं, बल्कि वे इतिहास लेखन के जीवंत स्रोत भी हैं। सारनाथ का सिंह शीर्ष आज भारत का राष्ट्रीय चिह्न है और उनके धम्म चक्र को तिरंगे में स्थान मिलना उनकी प्रासंगिकता का सबसे बड़ा प्रमाण है। अशोक के बिना बौद्ध धर्म शायद एक क्षेत्रीय संप्रदाय बनकर रह जाता। उन्होंने इसे विश्व धर्म बनाने के लिए अपने पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा को विदेशों में भेजा। उन्होंने शांतिपूर्ण सहअस्तित्व और सॉफ्ट पावर के जरिए भारत के सांस्कृतिक प्रभाव को मध्य एशिया से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैलाया।

अशोक की महत्ता इस बात में है कि उन्होंने शासन को धर्म अर्थात नैतिकता से जोड़ा। उन्होंने सिद्ध किया कि वास्तविक महानता साम्राज्य के विस्तार में नहीं, बल्कि प्रजा के चरित्र उत्थान में है। वे आज भी भारतीय चेतना के ऐसे प्रतीक हैं जो शक्ति और करुणा के संतुलन की प्रेरणा देते हैं। लेकिन यह एक विडंबना ही है कि जिस सम्राट ने भारत को एक सूत्र में पिरोया, वह सदियों तक भारतीय विमर्श और इतिहास की मुख्यधारा से ओझल रहा। 19वीं सदी में जेम्स प्रिंसेप द्वारा उनके शिलालेखों को पढ़े जाने से पहले अशोक का नाम केवल पुरानी कथाओं तक सीमित था। उनकी इस ऐतिहासिक उपेक्षा के अनेक कारण रहे हैं। अशोक द्वारा बौद्ध धर्म को राजकीय संरक्षण देने और पशु बलि पर रोक लगाने से तत्कालीन ब्राह्मणवादी व्यवस्था के हितों को चोट पहुंची थी। इसी कारण पुराण आदि धर्मग्रंथों में मौर्य वंश का वर्णन तो मिलता है, लेकिन अशोक को वह महानता अथवा विस्तार नहीं दिया गया, जो उनके कद के अनुरूप था। उन्हें अक्सर केवल एक शासक के रूप में दर्ज किया गया, न कि एक महान सुधारक के रूप में। मध्यकाल तक आते-आते भारत से बौद्ध धर्म का प्रभाव कम होने लगा। चूंकि अशोक की अधिकांश कीर्ति और उनके शिलालेख बौद्ध केंद्रों और पाली, प्राकृत भाषा से जुड़े थे, इसलिए बौद्ध धर्म के विलोपन के साथ अशोक की गाथाएं भी लोक स्मृति से धुंधली पड़ती गईं। अशोक ने अपने संदेश पत्थरों और स्तंभों पर ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों में लिखवाए थे। समय के साथ इन लिपियों को पढ़ने वाले लोग नहीं रहे। लोग इन स्तंभों को देखते तो थे, लेकिन वे यह नहीं जानते थे कि ये किस देवानांपिय दसी अर्थात देवताओं के प्रिय राजा के हैं। इसे जानने के उद्देश्य से फिरोज शाह तुगलक ने इन्हें दिल्ली मंगवाया था।

मध्यकालीन भारत के इतिहास लेखकों, दरबारी इतिहासकारों का ध्यान मुख्य रूप से दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य पर रहा। उनके लिए प्राचीन भारत के अहिंसक और धम्म आधारित शासन का कोई विशेष राजनीतिक महत्व नहीं था। भारतीय इतिहास में महानता को अक्सर युद्धों और विजय अभियानों से मापा गया, जैसे समुद्रगुप्त या चंद्रगुप्त मौर्य। अशोक ने अपने जीवन के उत्तरार्ध में युद्ध त्याग दिया था, जिसे कुछ इतिहासकारों ने साम्राज्य के पतन का कारण मानकर उनकी सैन्य अक्षमता के रूप में व्याख्यायित किया, जिससे उनकी छवि एक मजबूत राजा के बजाय एक भिक्षु राजा की बन गई। अशोक की वास्तविक पहचान आधुनिक काल में तब लौटी जब औपनिवेशिक काल के पुरातत्वविदों ने उनके शिलालेखों को डिकोड किया। आज वे भारतीय गणतंत्र के सबसे बड़े प्रतीक चिह्न-अशोक चक्र और सिंह शीर्ष के रूप में विराजमान हैं। लेकिन दुखद यह है कि अब तक देश में राजकीय अथवा राष्ट्रीय समरोह के रूप में सम्राट अशोक की जयंती नहीं मनाई जाती और न ही उनकी जयंती पर सार्वजनिक अवकाश ही घोषित की गई है। सम्राट अशोक की जयंती को लेकर उपेक्षा का कारण उसके पीछे ऐतिहासिक अस्पष्टता और आधुनिक राजनीतिक प्राथमिकताएं प्रमुख हैं। सम्राट अशोक के जन्म की कोई सटीक प्रमाणिक तिथि इतिहास के पन्नों में दर्ज नहीं है। बौद्ध ग्रंथों और शिलालेखों में उनके शासनकाल की घटनाओं का वर्णन तो है, लेकिन उनकी जन्म तिथि को लेकर इतिहासकारों में मतभेद है। बिना किसी सर्वसम्मत तिथि के सरकारी स्तर पर जयंती घोषित करना चुनौतीपूर्ण रहा है। आधुनिक काल में सम्राट अशोक का इतिहास 1837 में ब्राह्मी लिपि पढ़े जाने के बाद मुख्यधारा में आया। तब तक भारत में शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप आदि कई अन्य महापुरुषों की लोक-स्मृतियां और तिथियां स्थापित हो चुकी थीं। अशोक की महानता को इतिहास की किताबों में तो जगह मिली, लेकिन वे लोक संस्कृति में उस तरह उत्सव का हिस्सा नहीं बन पाए। किसी भी महापुरुष की जयंती और अवकाश अक्सर सामाजिक आंदोलनों या राजनीतिक दबाव का परिणाम होते हैं। लंबे समय तक अशोक को केवल एक प्राचीन राजा के रूप में देखा गया। हालांकि हाल के वर्षों में बिहार आदि कुछ राज्यों में चैत्र शुक्ल अष्टमी को अशोक जयंती मनाने की शुरुआत हुई है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह सर्वमान्य नहीं हो पाया है। स्वतंत्र भारत की सरकार ने अशोक को व्यक्तिगत रूप से पूजने के बजाय अशोक चक्र और सिंह शीर्ष आदि उनके प्रतीकों को राष्ट्र का आधार बनाया। ऐसा माना गया कि उनके आदर्श संविधान और राष्ट्रीय ध्वज में समाहित हैं, इसलिए अलग से व्यक्ति पूजा या अवकाश पर ध्यान कम रहा। वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारें कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाने के लिए नए सार्वजनिक अवकाशों को घोषित करने से बचती हैं। पहले से ही महापुरुषों की लंबी सूची होने के कारण नई छुट्टियों को जोड़ने में प्रशासनिक बाधाएं आती हैं। हाल के दशकों में सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों की मांग के बाद बिहार सरकार ने सम्राट अशोक जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में भी इसे लेकर मांग और आयोजन बढ़े हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

भवानीपुर से ममता बनर्जी की हार पूरे बंगाल में परिवर्तन की शुरुआत होगी : अमित शाह

कोलकाता। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता अब परिवर्तन चाहती है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने के लिए तैयार है।

उन्होंने दावा किया कि यदि भवानीपुर से भाजपा प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी जीतते हैं तो पूरे बंगाल में सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। भवानीपुर में भाजपा प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी के नामांकन के अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि उन्होंने चुनाव से पहले पूरे बंगाल का दौरा किया है और हर जगह लोगों में सरकार बदलने की इच्छा दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में तोलाबाजी, भ्रष्टाचार, महिलाओं की असुरक्षा, बेरोजगारी और अवैध घुसपैठ जैसी समस्याओं से लोग परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर सीमाओं को मजबूत किया जाएगा और अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिन राज्यों में भाजपा की सरकार बनी है वहां विकास हुआ है और अब पश्चिम बंगाल की बारी है। भवानीपुर की एक सीट की जीत भी पूरे राज्य की राजनीति की दिशा बदल सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में ममता बनर्जी नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी से हार चुकी हैं और इस बार उन्हें भवानीपुर में भी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि इस बार कोई भी मतदाताओं को वोट देने से नहीं रोक पाएगा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के आरोपों का भी उल्लेख करते हुए दोषियों को सजा दिलाने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए पश्चिम बंगाल को 'सोनार बांग्ला' बनाने का संकल्प दोहराया। सभा के अंत में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा के सभी प्रत्याशियों की जीत की कामना करते हुए जनता से भारी मतों से समर्थन देने की अपील की।

भारत की पश्चिम एशिया के हालात पर नजर हर स्थिति से निपटने को तैयार: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पश्चिम एशिया के हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज हम सब एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। आज हम देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया में बड़ा संघर्ष चल रहा है। केरल के बहुत सारे लोग इन देशों में रहते और काम करते हैं, मगर उन्हें चिंता नहीं करनी है। कुछ लोग इस मौके पर कई तरह का झूठ फैला कर घबड़ाहट फैलाना चाहते हैं, जबकि भारत इस किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 'सैनिक सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हर परिस्थिति में निपटने में सक्षम और तैयार है। यह समय पूरे देश के एकजुट होने का है। संकट के समय में भाजपा ने हमेशा देश का साथ दिया है। यह समय दलगत राजनीति करने का नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों को एकसाथ आने का है। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रोज अपने कूटनीतिक कौशल का प्रयोग करते हुए भारतीय हितों की रक्षा कर रहे हैं, जबकि विपक्ष इस संकट के समय देश के साथ खड़े होने के बजाय तुच्छ राजनीति करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हमारा केरल भारत के सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक है। यहां के लोगों के अंदर राष्ट्र रक्षा का भाव इतना अधिक है कि केरल के लोग सिर्फ नौसेना ही नहीं, बल्कि सेना और वायु सेना में भी बड़ी संख्या में कार्य करते हैं।

आज भारत जहाज निर्माण में दुनिया की किसी भी बड़ी शक्ति से कम नहीं है। इसी केरल में मौजूद कोचीन शिपयार्ड में भारत का सबसे पहला स्वदेश विकसित एयरक्राफ्ट कैरियर बन कर तैयार हुआ। आज जिस तरह से समुद्री क्षेत्र की महत्ता बढ़ रही है, उसे ध्यान में रखते हुए हम अपनी प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं, क्योंकि हम 2047 तक भारत की भारतीय नौसेना को दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे ताकतवर नेवी बनाना चाहते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का यह मानना है कि हमारे सैनिक और पूर्व सैनिक देश के मजबूत स्तंभ हैं। हमारी सरकार ने अपने पूर्व सैनिकों के लिए बीते वर्षों में कई ठोस फैसले लिए हैं और आने वाले समय में भी यह सिलसिला रुकेगा नहीं। कांग्रेस ने इस देश के पूर्व सैनिकों की आंखों में भी धूल झोंकने का काम किया है। कांग्रेस चार दशक तक 'वन रैंक वन पेंशन' के नाम पर हमारे पूर्व सैनिकों से विश्वासघात करती रही। कागजों पर सिर्फ 500 करोड़ रुपये रखकर कांग्रेस कहती थी कि वो 'वन रैंक-वन पेंशन' लागू करेगी, लेकिन लंबे समय से चली आ रही इस मांग को हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी से लागू किया।

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत अब तक 524 परियोजनाएं स्वीकृत, 355 पूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गंगा और उसकी सहायक नदियों के प्रदूषण नियंत्रण और पुनर्जीवन के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत अब तक 524 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी लागत 43,030 करोड़ रुपये है। इनमें से 355 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

लोकसभा में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए जलशक्ति राज्यमंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया कि 2014-15 में शुरू हुआ यह कार्यक्रम मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इसके अंतर्गत सीवरेज ट्रीटमेंट, नदी तट प्रबंधन, ग्रामीण स्वच्छता, वनीकरण, जैव विविधता संरक्षण और जनभागीदारी जैसे विविध उपाय किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत 218 सीवरेज परियोजनाएं 35,794 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गईं, जिनसे 6,610 एमएलडी क्षमता विकसित होगी। इनमें से 138 एसटीपी परियोजनाएं पूरी होकर चालू हो चुकी हैं। 'प्रयाग' नामक

ऑनलाइन डैशबोर्ड से गंगा और यमुना की जल गुणवत्ता और एसटीपी की निगरानी की जा रही है। जैव विविधता संरक्षण के तहत उत्तर प्रदेश में सात जैव विविधता पार्क और पांच आर्द्रभूमि विकसित की गई हैं। 33,024 हेक्टेयर क्षेत्र में वनीकरण किया गया है।

गंगा में 203 लाख मछली के बीज छोड़े गए हैं ताकि डॉल्फिन और मछुआरों की आजीविका सुरक्षित रहे। भारत की पहली 'डॉल्फिन रेस्क्यू एम्बुलेंस' भी विकसित की गई है। कछुआ और घड़ियाल संरक्षण के लिए विशेष परियोजनाएं लागू की गईं। चंबल में 8,257 अंडों वाले 387 घोंसलों की सुरक्षा की गई, जिनसे 7,979 बच्चे सुरक्षित नदी में छोड़े गए। औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण के लिए कानपुर, बंथरा और मथुरा में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट बनाए गए। इन प्रयासों से बीओडी लोड 2017 के 26 टन प्रतिदिन से घटकर 2024 में 10.75 टन प्रतिदिन हो गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि गंगा की जल गुणवत्ता अधिकांश स्थानों पर स्नान मानकों के अनुरूप है।

राहुल गांधी ने चुनावी सभा में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

जोरहाट (असम)। असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को असम पहुंचे कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर राजनीतिक हमले किये।

जोरहाट जिला के तिताबर में आयोजित एक चुनाव प्रचार सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर जो भूमि आप लोगों से छीनी गई है, वह वापस दी जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री को माफी मांगनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि हम आपके जरिए उन्हें एक संदेश देना चाहते हैं, भले ही हिमंत बिस्व सरमा माफी मांग लें, हम उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। मुख्यमंत्री और उनके परिवार द्वारा किया गया भ्रष्टाचार का परिणाम एक दिन उन्हें भुगतना ही पड़ेगा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत डॉ. सरमा को सुरक्षा नहीं दे सकती। मैं जो कहता हूं, उसे करके दिखाऊंगा। यह भूमि महापुरुष श्रीमंत

शंकरदेव की भूमि, डॉ. भूपेन हजारिका की भूमि, जुबिन गर्ग की भूमि है। असम उनकी आत्मा में था, असम के लिए इन महान लोगों ने सब कुछ दिया।

सभी ने हिंसा से परहेज करके एकजुट रहने का संदेश दिया। लेकिन आपके मुख्यमंत्री इस सोच से बहुत दूर हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हिंसा, भ्रष्टाचार और डर फैलाना मुख्यमंत्री का मुख्य उद्देश्य है। जुबिन गर्ग ने सभी की मदद की, प्रेम-भाईचारे की बात कही। ऐसे में देखा जाए तो एक ओर जुबिन गर्ग हैं तो ठीक उसके विपरीत मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा हैं। पिछले चुनाव में भाजपा ने चाय मजदूरों को 350 रुपये मजदूरी का वादा किया था। लेकिन 350 रुपये मजदूरी आपको मिली है या नहीं, यह एक सवाल है। उन्होंने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं।

मुख्यमंत्री ने आडानी को 18 हजार बीघा, अंबानी को 13 हजार बीघा भूमि, पतंजलि को 6 हजार बीघा भूमि दी। असम में बड़े सिंडिकेट का शासन चल रहा है। वहीं, प्रधानमंत्री पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका की अनुमति के बिना ईंधन खरीदने का अधिकार प्रधानमंत्री के पास नहीं है। ऐसा एक भविष्य की ओर हमें प्रधानमंत्री धकेल रहे हैं। भारत के सभी व्यवसाय बंद हो जाएंगे।

अमेरिका ने भारत से सब कुछ निकाल लिया, लेकिन भारत को कुछ नहीं दिया। साथ ही कहा कि असम दिल्ली से संचालित हो रहा है, असम पर मुख्यमंत्री का नियंत्रण नहीं है। राहुल गांधी ने इस बार के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की पांच गारंटी की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला के खाते में प्रति माह नकद धन जमा होगा। प्रत्येक महिला को 50 हजार रुपए आत्मनिर्भर बनने के लिए दिये जाएंगे। इसके साथ ही भूमि पट्टा प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों को प्रति माह 1250 रुपए की पेंशन दी जाएगी। इसके लिए एक विशेष मंत्रालय बनाया जाएगा। प्रत्येक परिवार को 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा देने की गारंटी होगी। साथ ही जुबिन गर्ग, तरुण गोगोई के आदर्शों के अनुसार हमें आगे बढ़ना होगा।

सिंधिया ने सहारनपुर पीटीसी की प्लेटिनम जुबली पर स्मारक डाक टिकट जारी किया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सहारनपुर के पोस्टल ट्रेनिंग सेंटर (पीटीसी) की प्लेटिनम जुबली के अवसर पर गुरुवार को स्मारक डाक टिकट जारी किया।

सिंधिया ने यहां आकाशवाणी भवन स्थित रंग भवन में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि पोस्टल ट्रेनिंग सेंटर केवल एक संस्थान नहीं बल्कि सेवा की जीवित विरासत है। उन्होंने कहा कि 75 वर्षों की यह यात्रा राष्ट्र निर्माण में डाक प्रशिक्षण केंद्र के सतत योगदान को दर्शाती है।भविष्य की दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि भारत 2030 तक न केवल देश बल्कि विश्व के लिए भी लॉजिस्टिक्स महाशक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है। इसमें डाक विभाग और उसके कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर डाक सेवा महानिदेशक जितेंद्र गुप्ता, सदस्य (वित्त) डीसीसी मनीष सिन्हा, सीजीसीए वंदना गुप्ता और सदस्य (एचआरडी) कर्नल एस. एफएच रिजवी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पीटीसी सहारनपुर की स्थापना 2 अप्रैल 1951 को स्वतंत्र भारत के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए की गई थी।

मालदा में न्यायिक अधिकारियों के उत्पीड़न के पीछे भाजपा-चुनाव आयोग की साजिश : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मालदा जिले के कालियाचक में सात न्यायिक अधिकारियों के साथ हुई बदसलूकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत निर्वाचन आयोग की "संयुक्त साजिश" का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का रास्ता तैयार करना है।

मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी थी। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण राज्य प्रशासन पर उनका सीधा नियंत्रण नहीं है, लेकिन चुनाव आयोग सुरक्षा देने में विफल रहा। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। ममता बनर्जी ने कहा कि जिन लोगों के नाम न्यायिक निर्णय प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनकी

शिकायतें वास्तविक हो सकती हैं, लेकिन किसी भी उकसावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की छवि को नुकसान पहुंचाने और चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए हैदराबाद से जुड़े राजनीतिक दल ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बनाई गई पार्टी की भूमिका पर भी परोक्ष रूप से सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन ताकतों ने लोगों को सड़क जाम करने और न्यायिक अधिकारियों का घेराव करने के लिए उकसाया। उन्होंने कहा कि, यदि राज्य में शांति नहीं रही तो इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से कानून अपने हाथ में नहीं लेने और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त नए मुख्य सचिव स्थिति को संभालने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि मालदा की घटना से राज्य की छवि धूमिल हुई है और सभी को मिलकर शांति बनाए रखने की जरूरत है।

राघव चड्ढा राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए गए, अशोक मित्तल को मौका

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को राज्यसभा में राघव चड्ढा को हटाकर अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता चुना है। पार्टी की तरफ से राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर औपचारिक रूप से अशोक मित्तल को पार्टी का उपनेता नियुक्त करने का अनुरोध करते हुए कहा गया है कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी के कोटे से बोलने का समय आवंटित न किया जाए। अशोक मित्तल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें राज्यसभा में उपनेता की जिम्मेदारी सौंपी है। मित्तल ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से 07 पंजाब और 03 दिल्ली के हैं।

देश में 60 दिनों के कच्चा तेल का भंडार मौजूद, आठ राज्यों को कमर्शियल एलपीजी कोटा 10 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बीच भारत के पास अगले 60 दिनों की मांग पूरा करने के लिए कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में किसी भी संभावित उतार-चढ़ाव के बीच भारत सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जानकारी दी है कि सभी घरेलू उपभोक्ताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

पिछले एक महीने में 3.33 लाख पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने गुरुवार को पश्चिम एशिया हालिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफिंग में देश के सामरिक ऊर्जा भंडार स्थिति पर आधिकारिक जानकारी साझा की है। उन्होंने आश्वस्त किया कि रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और सल्फर की कोई कमी नहीं है। हमारे रिटेल आउटलेट सामान्य

रूप से काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतार-चढ़ाव के बावजूद, ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। शर्मा ने कहा कि कीमतों को स्थिर बनाए रखने के लिए भारत सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की है, जबकि इस बोझ का एक हिस्सा तेल विपणन कंपनियां वहन कर रही हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति 100 फीसदी सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही व्यावसायिक गतिविधियों और औद्योगिक मांग को सुचारू बनाए रखने के लिए सरकार ने आठ राज्यों के लिए कमर्शियल एलपीजी सिलिंडरों के कोटे में अतिरिक्त 10 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेसवार्ता में कहा कि भारत सरकार ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों की स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और अपने दूतावास के जरिए उनकी सुरक्षित आवाजाही में मदद कर रही है।

उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 1,200 भारतीय नागरिकों को जमीनी सीमाओं के रास्ते ईरान से निकलकर आर्मेनिया और अजरबैजान जाने में मदद की गई है। इनमें से 996 लोग आर्मेनिया और 204 लोग अजरबैजान पहुंचे हैं। इसके अलावा हाल के दिनों में कई भारतीय नागरिकों को ईरान के भीतर ही ज्यादा सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। भारत सरकार ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही में मदद करने के लिए आर्मेनिया और अजरबैजान के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने कहा कि भारत सरकार खाड़ी और पश्चिम एशिया में स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है, जिसमें भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। एक समर्पित कंट्रोल रूम काम कर रहा है, जबकि मिशन और वाणिज्य दूतावास चौबीसों घंटे हेल्पलाइन चला रहे हैं। इसके साथ ही वे सामुदायिक समूहों से जुड़ रहे हैं और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के समन्वय से नियमित परामर्श जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मिशन वीजा, कांसुलर सेवाओं और ट्रांजिट सहायता से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। छात्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महाजन ने बताया कि इसके तहत स्कूलों, शिक्षा बोर्डों और जेईई तथा नीट जैसी परीक्षाओं के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के साथ समन्वय स्थापित करके यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि उनका शैक्षणिक कार्यक्रम अप्रभावित रहे।

महिला आरक्षण विधेयक पर सरकार इसी माह बुलाएगी संसद की बैठक

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल पर इसी माह दो या तीन दिनों के लिए संसद की बैठक बुलाई जाएगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में जानकारी दी कि संसद की कार्यवाही आज स्थगित कर दी जाएगी और 2 से 3 हफ्ते बाद दोबारा बुलाई जाएगी। इस दौरान महिला आरक्षण से जुड़े अहम बिल को लाने की तैयारी है।

उन्होंने बताया कि अगली बैठक में एक 'बहुत महत्वपूर्ण' बिल पर चर्चा और निर्णय लिया जाएगा। हालांकि, इस बिल के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। मंत्री ने बताया कि सरकार ने इस मुद्दे पर 80 प्रतिशत से ज्यादा राजनीतिक दलों से चर्चा की है और कोशिश है कि यह बिल सर्वसम्मति से पास हो। वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मुद्दे पर ऑल पार्टी मीटिंग बुलाने की मांग की है। उनका कहना है कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है लेकिन सभी दलों की राय लेना जरूरी है। इससे पहले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार को पत्र लिखकर सुझाव दिया था कि विधानसभा

चुनाव खत्म होने के बाद संसद सत्र बुलाया जाए। महिला आरक्षण बिल पास होने पर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

लंबे समय से लंबित इस बिल को लेकर अब सरकार सक्रिय नजर आ रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सदन में सरकार के विधायी एजेंडे पर स्पष्टता मांगी। इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि आज राज्यसभा में पहले दो महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा और पारित करने की प्रक्रिया होगी। आज आंध्र प्रदेश पुनर्गठन संशोधन विधेयक और जन विश्वास संशोधन विधेयक पर चर्चा हो रही है।

जरूरतमंद के आवास और बीमार के इलाज की होगी व्यवस्था : सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है।गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 100 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं।

उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। उन्होंने पुलिस से जुड़े मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा।

गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद मांगने वाले लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए बच्चों को चॉकलेट देकर मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

2027 की जीत के लिए बूथ स्तर पर अभेद्य रणनीति जरूरी : धर्मपाल सिंह

कानपुर। 2027 में अभूतपूर्व विजय के लिए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर अभेद्य व्यूह रचना तैयार करनी होगी। पूर्व तैयारी और पूर्ण तैयारी के बल पर लेकर संगठन की रणनीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि पार्टी की सफलता का आधार उसके कार्यकर्ता हैं और प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी क्षमता के अनुसार जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर पर मजबूत और प्रभावी रणनीति तैयार की जाए, जिससे संगठन की जमीनी पकड़ और मजबूत हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष के भ्रम और षड्यंत्रों का जवाब संगठन की एकजुटता और सशक्त तैयारी से दिया जाएगा। 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्गों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सुदृढ़ बनाया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि मंडल स्तर के प्रशिक्षण वर्गों में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन मिल सके। बैठक के दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि छह अप्रैल को स्थापना दिवस प्रत्येक बूथ पर उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

हनुमान जयंती पर पनकी धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाव

कानपुर। हनुमान जयंती के अवसर पर गुरुवार को मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। पूजन अर्चना के कार्यक्रम हो रहे हैं। इसी क्रम में कानपुर के संकट मोचन पनकी धाम में तड़के से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जहां 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' के गूंजते जयकारों के बीच भक्त बजरंगबली के दर्शन के लिए लंबी कतारों में नजर आए।

कानपुर के प्राचीन पनकी धाम मंदिर में गुरुवार को भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह होते ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी, जो दिन चढ़ने के साथ और बढ़ती गई। पूरा वातावरण भजन-कीर्तन और जयकारों से भक्तिमय हो उठा।

मंदिर के महंत कृष्ण दास ने बताया कि हनुमान जयंती का पर्व भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि पनकी धाम की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से दर्शन करने पर बजरंगबली भक्तों के सभी संकट दूर करते हैं। श्रद्धालु रवि ने कहा कि वह हर वर्ष यहां दर्शन करने आते हैं और उन्हें एक अलग ही शांति का अनुभव होता है।

गौतम अडाणी ने परिजनों के संग श्रीरामलला के किए दर्शन, गौतम ने बताया भावुक पल

अयोध्या। देश के प्रतिष्ठित उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में परिवार के साथ श्रीरामलला के दर्शन पूजन किया। अडाणी ने निशुल्क गुरुकुल महाविद्यालय के विद्यार्थियों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित भी किया और गुरुकुल की पुरानी और आधुनिक परंपरा के बारे में जाना समझा। अडाणी ने गुरुकुल संस्कृति को संरक्षित करने में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया।

गुरुवार को अहमदाबाद से दो चार्टर्ड फ्लाइट्स से उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी अपने परिजनों के साथ महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके बाद वे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय, ट्रस्ट सदस्य डॉ अनिल मिश्र, विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय पदाधिकारी राजेन्द्र सिंह पंकज, गोपाल नागरकट्टे आदि ने उनका स्वागत किया गया। इसके बाद अडाणी ने परिजनों के साथ श्रीरामलला के दर्शन किये और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद आरती भी की। मंदिर पुजारी ने उन्हें तिलक लगाया। इसके बाद उन्होंने प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद मंदिर का भ्रमण कर अडाणी ने राम मंदिर निर्माण के बारे में ट्रस्ट के सदस्यों से जानकारी ली। अडाणी श्री राम मंदिर परिसर में 30 मिनट तक रहे I गौतम अडानी ने आज हनुमान जयंती के पावन पर्व पर श्रीराम यन्त्र का भी दर्शन किया। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने गौतम अडानी, करन अडानी आदि को श्रीराम मन्दिर के लिए चले लंबे संघर्ष, आंदोलन, कानूनी प्रक्रिया और निर्माण संबंधी जानकारी दी।

आगंतुकों ने जिज्ञासा पूर्वक मन्दिर की भव्यता का अवलोकन किया। यहां अडाणी ने कहा कि मुझे और मेरे परिवार को अयोध्या में भगवान राम के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। यह एक भावुक पल है, एक गर्व का पल है। यह मंदिर न सिर्फ आस्था का केंद्र है, बल्कि भारत की संस्कृति, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। भगवान राम के आदर्श हमें सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान राम का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे और हमारा देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। अडाणी ने अयोध्या के निशुल्क गुरुकुल महाविद्यालय में छात्रों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। गुरुकुल की पुरानी और आधुनिक परंपरा के बारे जाना।

उन्होंने गुरुकुल के विद्यार्थियों के साथ समय बिताया। उन्होंने कहा कि गुरुकुल आज के युग में हमारी संस्कति को जागत रखने का काम कर रहा है। गुरुकुल आज के युग में हमारी संस्कृति को जागृत रखने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अडाणी फाउंडेशन के इस दौर में इस गुरुकुल संस्कृति को संरक्षित करने में हरसंभव सहयोग देगा।

पिता की पीट पीटकर हत्या, आरोपित पुत्र हिरासत में

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद के घोसी कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार की भोर पुत्र ने अपने ही पिता की सोते समय बेरहमी से लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित बेटे को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्रामसभा इन्द्रपुर निवासी बसाऊ राम (50) बुधवार की रात अपने घर में सो रहे थे। गुरुवार को भोर के समय उनके 22 वर्षीय पुत्र हरिकेश ने अचानक उन पर लाठी से हमला कर दिया। लाठी से लगातार वार किए जाने के कारण बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। घर में मौजूद अन्य परिजनों ने चीख-पुकार सुनी तो वे मौके पर पहुंचे। परिजनों ने किसी तरह हमलावर पुत्र को रोका और गंभीर रूप से घायल बसाऊराम को इलाज के लिए नजदीकी चिकित्सक के पास ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित बेटे को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने बताया कि आरोपित की पत्नी इस समय अपने मायके में रह रही है, जिससे पारिवारिक परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

चुनावी रंजिश में युवक के पेट में चाकू घोंपा, हालत गंभीर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में खेतासराय थाना क्षेत्र में चुनावी रंजिश के चलते एक युवक पर बुधवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने पेट में चाकू घोंप दिया। गंभीर हालत में युवक को प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी रेफर कर दिया गया है।

अमरेथुवा निवासी संदीप राजभर(38) पुत्र डॉ. राम आधार पर बीती रात कुछ अज्ञात लोगों ने अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने संदीप के पेट में चाकू मार दिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल संदीप को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों ने बताया कि युवक के पेट में चाकू फंसा होने के कारण हालत चिंताजनक बनी हुई है। इस मामले में गुरुवार को क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि धारदार हथियार से एक युवक को मारा गया है। उसकी हालत गंभीर है। उसे बेहतर उपचार के लिए वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। घटना में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

औरैया में भक्ति और संस्कृति के बीच मना हनुमान जन्मोत्सव, बच्चों ने दिखायी प्रतिभा

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में पी बी आर पी अकादमी दिबियापुर में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एक विशेष प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंगलाचरण एवं भक्ति गीतों के माध्यम से वातावरण भक्तिमय हो उठा। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सौरव कश्यप ने भगवान हनुमान के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक कथाएं सुनाते हुए विद्यार्थियों को साहस, सेवा और अटूट भक्ति का संदेश दिया। प्रार्थना सभा के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान के स्वरूप में सजे विद्यार्थियों की विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इसके पश्चात विद्यालय परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की और भक्ति में लीन हो गए। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. ललित पाण्डेय ने अपने संदेश में कहा कि भगवान हनुमान का जीवन निस्वार्थ सेवा, अटूट भक्ति और अदम्य साहस की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

हनुमत जन्मोत्सव पर श्री संकट मोचन हनुमान जी महाराज का विशेष बैठकी श्रृंगार के साथ पूजन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) हनुमत जन्मोत्सव पर गुरूवार को संकटमोचन प्रभु की आराधना में आकंठ लीन रही। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा हनुमत जन्मोत्सव पर श्री संकटमोचन मंदिर में वर्ष पर्यंत भक्तों को खड़ी मुद्रा में दर्शन देने वाले श्री संकट मोचन (हनुमान जी)का खास बैठकी श्रृंगार किया गया।

बैठकी श्रृंगार का दर्शन पाने के लिए श्रद्धालु आधी रात के बाद से ही दरबार में कतारबद्ध होने लगे। बताते चले वर्ष में हनुमत जयंती ही एकमात्र ऐसा दिन होता है जब भगवान संकट मोचन बैठी हुई मुद्रा में दर्शन देते हैं। ब्रह्म मुहूर्त में गोस्वामी तुलसीदास द्वारा स्थापित संकटमोचन के विग्रह का पंचामृत स्नान कराया गया। इसके बाद विग्रह को सिंदूर का लेपन किया गया। मंदिर के महंत प्रो.विश्वंभरनाथ मिश्र की उपस्थिति में हनुमान जी का बैठकी श्रृंगार किया गया।

ब्रह्म मुहूर्त में सूर्योदय के साथ ही संकटमोचन का जन्मोत्सव,भोग आरती के बाद मंदिर का पट आम श्रद्धालुओं के लिए खुल गया। पट खुलते ही मंदिर प्रांगण संकटमोचन हनुमान की जय और जय –जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। हनुमान जन्मोत्सव पर प्रातः साढ़े पांच से साढ़े छह बजे विशेष पूजन आरती हुई।

इसके उपरांत श्रीरामचरितमानस का एकाह पाठ शुरू हुआ। इस दौरान प्रातःकालीन सत्र में शहनाई वादन, ब्राह्मणों द्वारा रुद्राभिषेक, श्री रामचरित मानस का एकाह पाठ, श्री सीताराम संकीर्तन, रामार्चापूजन, श्री रामचरित मानस का सुंदरकांड का पाठ, सायं 5 बजे रामकृष्ण मिशन के कीर्तन मंडलियों का संकीर्तन आयोजन होगा। इस दौरान रात्रिपर्यन्त नगर के विभिन्न रामायण मंडलियों द्वारा रामचरित मानस का अखंड पाठ आयोजित होगा।

मंदिर के महंत के अनुसार तीन अप्रैल से पांच अप्रैल तक सार्वभौम रामायण सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। जिसमें काशी तथा देश के अनेक ख्यातिप्राप्त मानस वक्ताओं की कथा सायं 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक होगी। जिसमें मुख्य रूप से पं. उमाशंकर शर्मा (बरेली), डा. भारत भूषण पांडेय (आरा), पं. चंद्रकांत चतुर्वेदी (भभुआ) भाग लेंगे।

यूपी बोर्ड मूल्यांकन में जलपान बजट में हेराफेरी की जांच शुरु

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के दौरान परीक्षकों के लिए दिए गये जलपान बजट में कथित हेराफेरी का मामला सामने आने से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) की शिकायत के बाद जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य कोषाधिकारी को जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

वहीं, माध्यमिक शिक्षा परिषद के अपर सचिव के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) डॉ. राकेश कुमार ने भी तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है। इस टीम में एडीआईओएस राजेश कुमार यादव, अभिषेक कुमार सिंह और एक वित्त एवं लेखाधिकारी को शामिल किया गया है। टीम को दो दिन के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। डीआईओएस ने सभी उपनियंत्रकों से तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा है। इसमें मूल्यांकन कार्य में लगे परीक्षकों की तिथिवार उपस्थिति, जलपान व्यवस्था का तिथिवार विवरण तथा इस पर हुए खर्च की पूरी रिपोर्ट शामिल है। इस संबंध शिक्षक नेताओं ने 30 मार्च को जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह से मुलाकात कर इस मामले की शिकायत की थी। उनका आरोप है कि मूल्यांकन केंद्रों पर जलपान और शुद्ध पेयजल के नाम पर महज 12 दिनों के भीतर करीब 12 लाख रुपये की हेराफेरी की गई है। डीआईओएस डॉ. राकेश कुमार ने गुरुवार को बताया कि शासन के निर्देशों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में जलपान बजट के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने दो दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने की बात दोहराई है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ लय हासिल करने उतरेगा सीएसके

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए अपना घरेलू मैदान मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में जीत हासिल करने के लिए उसे खेल के प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सीएसके की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। युवा खिलाड़ियों से भरी उसकी टीम गुवाहाटी में किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। सीएसके अब उस हार को भुलाकर नए सिरे से अपना अभियान शुरू करने की कोशिश करेगा। हाल ही में हुए टी20 विश्व कप के दौरान चेन्नई की पिच के व्यवहार को को देखते हुए यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होना चाहिए। सीएसके के स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी गुवाहाटी नहीं गए थे क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। उनका हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान डगआउट में रहने की संभावना है जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को काफी फायदा मिलेगा। संजू सैमसन सीएसके के लिए अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे और वह इसकी भरपाई करने के लिए बेताब होंगे। सीएसके को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में डेवाल्ड ब्रेविस की सेवाएं नहीं मिल पाई थी और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह साइड स्ट्रेन से पूरी तरह उबर चुके हैं या नहीं। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण सरफराज खान को इंपैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतारा गया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए हालांकि वह सहज नजर आ रहे थे। टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ-साथ कार्तिक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों से और अधिक उम्मीदें की जाएंगी। गेंदबाजी की बात करें तो वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी के आगे मैट हेनरी और नूर अहमद जैसे गेंदबाज फीके पड़ गए। वे इससे उबरने के लिए बेताब होंगे। जहां तक पंजाब किंग्स का सवाल है तो उसने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की। उसे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनॉली के रूप में तीसरे नंबर का भरोसेमंद बल्लेबाज मिल गया है। उन्होंने पिछले मैच में टीम को खराब शुरुआत से उबारकर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। पंजाब किंग्स की गेंदबाजी भी मजबूत नजर आ रही है। अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने टाइटंस के खिलाफ अपनी लाइन और गति में विविधता से प्रभावित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में रन प्रवाह रोका और दो महत्वपूर्ण विकेट लिए। उन्हें तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाक का अच्छा सहयोग मिला।

टीम इस प्रकार हैं:

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने से मुझे आत्मविश्वास मिला: रिजवी

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के मौके का पूरा फायदा उठाया और अब उनका ध्यान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने पर है। रिजवी ने अपने कौशल का शानदार नमूना पेश करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को लखनऊ सुपर जायंट्स पर छह विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वह 'इम्पैक्ट प्लेयर' के रूप में बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। दिल्ली की टीम ने 142 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट 26 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद रिजवी ने जिम्मेदारी संभाली और 47 गेंद पर नाबाद 70 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स (32 गेंदों पर नाबाद 39 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 119 रन की अटूट साझेदारी की। रिजवी ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''कोच ने मुझे पहले ही बता दिया था कि तुम नंबर चार पर खेलोगे और हम तुम्हारा साथ देंगे। बस अपना स्वाभाविक, सकारात्मक खेल खेलो।'' उन्होंने कहा, ''जब भी मैं उत्तर प्रदेश के लिए या यूपीटी20 लीग में खेलता हूं तो चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करता हूं। अगर आपको आईपीएल में भी उसी नंबर पर बल्लेबाजी करने का मौका मिले तो इससे काफी आत्मविश्वास मिलता है। यह मेरे लिए एक बड़ा अवसर है और कोच भी मुझे अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी दे रहे हैं। इसलिए मैं इन अवसरों को भुनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।'' रिजवी ने कहा, ''मैंने अभी तक आईपीएल में ज्यादा मैच नहीं खेले हैं लेकिन मैं अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करूंगा और इस पारी को भूलकर अगले मैच पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करूंगा।'' आईपीएल में रिजवी का यह लगातार दूसरा अर्धशतक था। उन्होंने पिछले सत्र के अंतिम मैच में भी अर्धशतक बनाया था। मुश्किल परिस्थितियों में लक्ष्य का पीछा करने और स्टब्स के साथ अपनी साझेदारी के बारे में रिजवी ने कहा कि उन्होंने खेल की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन ने इस साल केंद्रीय अनुबंध में जगह नहीं मिलने के बाद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, लेकिन कहा कि वह अपनी घरेलू टीम लायंस की तरफ से खेलते रहेंगे। जोहानिसबर्ग के 37 वर्षीय खिलाड़ी वान डेर डुसेन ने पिछले साल मार्च से दक्षिण अफ्रीका की तरफ से कोई मैच नहीं खेला था। उन्होंने 2018 में 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था तथा 18 टेस्ट, 71 वनडे और 57 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वान डेर डुसेन ने एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा, ''मैं अत्यंत गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका की जर्सी पहनना एक ऐसी उपलब्धि है जिसमें आपकी दृढ़ता और समर्पण की परीक्षा होती है और आपको इसका इनाम भी मिलता है। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से खेलना मेरे लिए अपने खेल जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।'' वान डेर डुसेन ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम की तरफ से मेरा सफर हालांकि खत्म हो गया है लेकिन मैं अपनी प्यारी टीम 'लायंस' के लिए खेलना जारी रखूंगा।

केरल के खेल मंत्री ने कहा, अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने धोखा दिया

मलप्पुरम (केरल)। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने गुरुवार को कहा कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने पैसे लेने के बावजूद यहां मैच खेलने के लिए नहीं आकर राज्य को धोखा दिया। अब्दुरहीमान ने कहा कि वह वास्तव में चाहते थे कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम और लियोनेल मेस्सी केरल आएं और राज्य में एक मैच खेलें। उन्होंने यहां एक टीवी चैनल से कहा, ''इसके लिए मैंने कई बार बातचीत की थी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टीम को देने के लिए 250 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाने के लिए प्रायोजक ढूंढना आसान काम नहीं था।'' अब्दुरहीमान ने कहा, ''लेकिन पैसे मिलने के बावजूद अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने हमें धोखा दिया। हमें उनसे ऐसे विश्वासघात की उम्मीद नहीं थी। वादा करने के बावजूद उसकी टीम यहां नहीं आई।'' केरल के खेल मंत्री ने कहा कि जब उन्होंने इस संबंध में पूछताछ की तो पता चला कि अर्जेंटीना ने पांच अन्य देशों के साथ भी ऐसा ही किया था। अब्दुरहीमान ने कहा, ''उन्होंने उन देशों से पैसे तो लिए लेकिन वहां खेलने नहीं गए। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के खिलाफ मामला दर्ज करना होगा और उन्हें हमें मुआवजा देना होगा।'' उन्होंने कहा कि राज्य अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का बेसब्री से इंतजार कर रहा था लेकिन उनके व्यवहार से उन्हें काफी दुख हुआ। अब्दुरहीमान ने कहा, ''इससे केरल के फुटबाल प्रेमियों को निराशा हुई है।

आदित्य एशियाई चैंपियनशिप में आगे बढ़े

उलानबटोर (मंगोलिया)। भारतीय मुक्केबाज आदित्य ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के चौथे दिन शानदार जीत दर्ज की। राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मूसा अलहौसावा के खिलाफ पूरे मुकाबले में नियंत्रण बनाए रखा और 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल की। आदित्य ने इस साल जनवरी में नौवीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। आदित्य को अगले दौर में उज्बेकिस्तान के अब्दुल्लोह मदामिनोव की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। इस प्रतियोगिता में पूरे महाद्वीप के शीर्ष खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। भारतीय मुक्केबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

ब्लूबाउम ने प्रज्ञाननंदा को ड्रॉ पर रोका, सिंदारोव ने बढ़त बनाई

पाफोस (साइप्रस)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर में जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के साथ ड्रॉ खेला, जबकि उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने अमेरिका के फैबियानो कारुआना को हराकर एकल बढ़त हासिल कर ली। पिछले साल के विश्व कप विजेता सिंदारोव ने बुधवार को यहां चार मैचों में अपनी तीसरी जीत हासिल की जिससे उनके अंकों की संख्या 3.5 हो गई है। इससे वह इस साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश के साथ खिताबी मुकाबले में खेलने के प्रबल दावेदार बन गए हैं। प्रज्ञाननंदा ने पिछले दौर में सिंदारोव से हारने के बाद ब्लूबाउम के खिलाफ काले मोहरों से खेलते हुए ड्रॉ हासिल किया। अब जबकि 10 दौर का खेल बाकी है तब सिंदारोव के ठीक पीछे कारुआना 2.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि प्रज्ञाननंदा, ब्लूबाउम और नीदरलैंड के अनीश गिरी समान दो अंकों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। दिन के अन्य दो मैचों में अनीश गिरी ने रूसी खिलाड़ी एंड्री एसेपेंको को हराया, जबकि चीन के वेई यी ने अमेरिकी खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के साथ ड्रॉ खेला। महिला वर्ग में दिव्या देशमुख को चीन की जिनेर झू के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जबकि आर वैशाली ने रूस की एलेक्जेंड्रा गोरियाचकिना के साथ ड्रॉ खेला। कोनेरू हम्पी के नाम वापस लेने के बाद अंतिम समय में प्रतियोगिता में शामिल होने वाली यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक ने रूस की कटेरीना लागनो को पीछे छोड़ते हुए कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबायेव के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मुजीचुक और अस्सौबायेवा 2.5-2.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। उनके बाद वैशाली, गोरियाचकिना, झू और लागनो का नंबर आता है जिनके दो-दो अंक हैं। झोंगयी और दिव्या 1.5 अंकों के साथ ज्यादा पीछे नहीं हैं।

आर्सेनल और बायर्न महिला चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

लंदन। मौजूदा चैंपियन आर्सेनल दूसरे चरण में चेल्सी से 1-0 से हारने के बावजूद महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। आर्सेनल ने पिछले सप्ताह क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-1 से जीत दर्ज की थी और इस तरह से वह 3-2 के कुल स्कोर के आधार पर अंतिम चार में पहुंच गया है। अब उसका सामना वोल्फ्सबर्ग या लियोनेस में से किसी एक से होगा। स्टैमफोर्ड ब्रिज में खेले गए मैच के स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में स्जोके नुस्केन ने चेल्सी के लिए गोल दागा। इससे पहले बायर्न म्यूनिख ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराया।

जम्मू-कश्मीर में बिजली बकाया 3,747 करोड़ रुपये से अधिक : उमर अब्दुल्ला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर बिजली का बकाया 3,747 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। बिजली विकास विभाग (पीडीडी) के प्रभारी मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) से विधायक आगा सैयद मुन्तजिर मेहदी के सवाल के जवाब में विधानसभा में यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार कुल बकाया 3,74,735.42 लाख रुपये है जिसमें कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीडीसीएल) के अंतर्गत 2,31,022.41 लाख रुपये और जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेपीडीसीएल) के अंतर्गत 1,43,713.01 लाख रुपये शामिल हैं। पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग (पीएचई) विभाग सबसे अधिक 1,30,043 लाख रुपये और इसके बाद सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग पर 58,059.72 लाख रुपये का बकाया है। सुरक्षा एजेंसियों की बात करें तो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पर 29,638.45 लाख रुपये, सेना पर 19,719.94 लाख रुपये और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर 1,116.87 लाख रुपये बकाया है। इसके अलावा गृह विभाग पर 22,306.46 लाख रुपये और आवास एवं शहरी विकास विभाग पर 14,449.47 लाख रुपये का बकाया है। बिजली विकास विभाग पर स्वयं 10,756.53 लाख रुपये तथा 'पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन' पर 2,277.51 लाख रुपये का बकाया है। नगर निकायों का भी इसमें बड़ा हिस्सा है, जिन पर 24,163.80 लाख रुपये बकाया है। वहीं राजस्व एवं राहत विभाग पर 8,227.62 लाख रुपये और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग पर 11,989.31 लाख रुपये की देनदारी है। अन्य विभागों में पर्यटन विभाग पर 4,759.05 लाख रुपये, शिक्षा विभाग पर 2,866.40 लाख रुपये, लोक निर्माण (आरएंडबी) विभाग पर 1,951.21 लाख रुपये और ग्रामीण विकास विभाग पर 1,062.95 लाख रुपये बकाया है। आंकड़ों में एनएचपीसी, एनएचएआई, रेलवे, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, बीएसएनएल तथा प्रसार भारती जैसी केंद्रीय एजेंसियों और जेडीए, यूडीए, सिडको व एसआरटीसी जैसे विकास प्राधिकरणों एवं निगमों पर भी बकाया है। अब्दुल्ला ने अपने जवाब में कहा कि बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) बकाया राशि की वसूली के लिए इन विभागों और संस्थानों से सक्रिय रूप से संपर्क कर रही हैं। इस जानकारी से जम्मू-कश्मीर के बिजली क्षेत्र पर बढ़ते वित्तीय दबाव का संकेत मिलता है क्योंकि बकाया राशि का बड़ा हिस्सा सरकारी एवं संस्थागत उपभोक्ताओं से जुड़ा हुआ है।

केंद्र सरकार ने 30 जून तक महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों को पूर्ण सीमा शुल्क से छूट दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के बीच एक बड़ा फैसला लेते हुए महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क से छूट दे दी है। यह छूट 30 जून तक लागू रहेगी, जिसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को सस्ती कच्ची सामग्री उपलब्ध कराना और अंतिम उत्पादों की कीमतें स्थिर रखना है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार ने यह छूट आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और अंतिम उत्पादों पर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए दी है। इससे प्लास्टिक, पैकेजिंग, वस्त्र, दवा, रसायन, मोटर वाहन घटक तथा अन्य विनिर्माण क्षेत्रों जैसे पेट्रोरसायन 'फीडस्टॉक' और 'इंटरमीडिएट' पर निर्भर उद्योगों को लाभ मिलेगा। सरकार ने यह कदम एक अस्थायी एवं लक्षित राहत उपाय के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोरसायन आपूर्ति की उपलब्धता बनी रहे, 'डाउनस्ट्रीम' क्षेत्रों पर लागत का दबाव कम हो और देश में आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। वित्त मंत्रालय के अनुसार इसके अलावा मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टॉलुइन, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमिथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन को सीमा शुल्क छूट दी गई है।

सरकार ने पिछले हफ्ते वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के असर से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर तक घटा दिया था। इसके साथ ही डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर 29.50 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया है। फिलहाल पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क तीन रुपये प्रति लीटर और डीजल पर शून्य है। पश्चिम एशिया संकट के कारण शिपिंग मार्गों में व्यवधान से उर्वरक, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात को लेकर सरकार की चिंता बढ़ गई है। भारत उर्वरक एवं पेट्रोलियम का बड़ा आयातक है। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले करने और तेहरान की व्यापक जवाबी कार्रवाई के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है।

ओला इलेक्ट्रिक ने रोडस्टर 9.1 की कीमत 60,000 रुपये घटाई

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी प्रमुख इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रोडस्टर एक्स+ 9.1 केडब्ल्यूएच की कीमत में 60,000 रुपये की कटौती की बृहस्पतिवार को घोषणा की। यह मोटरसाइकिल कंपनी के 4680 भारत सेल से लैस है। कंपनी बयान के अनुसार, यह कदम उसकी गिगाफैक्ट्री में बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ने और स्वदेशी रूप से विकसित 4680 भारत सेल के एकीकरण के कारण संभव हुआ है। सेल उत्पादन बढ़ने के साथ लागत दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है जिससे इन लाभों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाना संभव हुआ है। इसमें कहा गया कि अब रोडस्टर 9.1 केडब्ल्यूएच की कीमत 1,29,999 रुपये होगी जो पहले 1,89,999 रुपये थी। यह मॉडल सीमित इकाइयों में और विशिष्ट खरीद खिड़की के दौरान ही उपलब्ध होगा। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि वह रोडस्टर एक्स+ 9.1 केडब्ल्यूएच की खुली बिक्री से हटकर सीमित खरीद खिड़की मॉडल अपनाएगी, जिसमें वाहन निर्धारित समय और सीमित संख्या में उपलब्ध कराए जाएंगे। यह बिक्री तीन अप्रैल को शाम छह बजे से रात नौ बजे तक की जाएगी। इसके बाद की बिक्री की जानकारी समय-समय पर दी जाएगी।

स्पेसएक्स ने आईपीओ लाने के लिए प्रारंभिक दस्तोवज किए दाखिल

यूयॉर्क। उद्योगपति एलन मस्क नीत अंतरिक्ष अन्वेषण कंपनी स्पेसएक्स ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस घटनाक्रम से अवगत दो सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह एक बहुचर्चित पेशकश है, जो संभवतः अब तक की सबसे बड़ी पेशकश साबित हो सकती है। यह निर्गम इसके संस्थापक को दुनिया का पहला खरबपति भी बना सकता है। सूत्रों ने नाम न उजागर न करने की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि वे अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) के साथ की गई गोपनीय पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में सार्वजनिक रूप से बात करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। स्पेसएक्स ने इस संबंध में जानकारी हासिल करने के लिए संपर्क किया गया लेकिन खबर लिखने तक उनसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कंपनी इस आईपीओ के जरिये कितनी राशि जुटाएगी, इसका खुलासा नहीं किया गया है लेकिन खबरों के अनुसार यह राशि 75 अरब अमेरिकी डॉलर तक हो सकती है।

एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल सेवा प्रदाता

नई दिल्ली। भारती एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने जीएसएमए के आंकड़ों का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) दुनिया भर के मोबाइल संचालकों और संबंधित कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रमुख संगठन है। कंपनी बयान के अनुसार, 'जीएसएमए इंटेलिजेंस' के मुताबिक मोबाइल ग्राहक आधार के लिहाज से भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। कंपनी भारत तथा अफ्रीका में सेवाएं देती है। भारती एयरटेल के कार्यकारी वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल ने कहा, '' हम नवाचार, विश्वसनीयता एवं सेवाओं के अनुभव के स्तर को और ऊंचा करने का प्रयास करेंगे, ताकि हर ग्राहक के साथ संपर्क भरोसा जीतने तथा मूल्य प्रदान करने का अवसर बने।'' कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह संख्या 31 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित हैं। एयरटेल ने कहा कि भारत में उसके 36.8 करोड़ से अधिक मोबाइल ग्राहक हैं, जबकि अफ्रीका के 14 देशों में 17.9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। कंपनी के अनुसार, अपने क्षेत्रीय बाजारों से आगे बढ़ते हुए एयरटेल 'यूटेलसैट वनवेब' और 'स्पेसएक्स' के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से डिजिटल खाई को पाटने का प्रयास कर रही है।

'क्वीन 2' में नजर आएंगी कंगना रानौत

कंगना रानौत की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। मिड डे की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा। फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

इतिहास पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आखरी सवाल' का दमदार टीजर रिलीज

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आखरी सवाल' का दमदार टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में संजय दत्त मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर जारी इस टीज़र ने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा बटोरनी शुरू कर दी है। निखिल नंदा द्वारा निर्मित यह फिल्म अपने संवेदनशील और साहसिक विषय के चलते खास ध्यान खींच रही है। 'आखरी सवाल' का टीजर इतिहास के उन जटिल और विवादित पहलुओं को छूता है, जिन पर लंबे समय से बहस होती रही है। महात्मा गांधी की हत्या के बाद लगे प्रतिबंधों से लेकर बाबरी मस्जिद विवाद जैसे मुद्दों को फिल्म में उठाया गया है। टीज़र का अंदाज बेबाक और सीधा है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है और एक नई बहस को जन्म देने का संकेत देता है। फिल्म की कहानी विक्की नाम के एक युवा स्कॉलर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने गुरु प्रोफेसर गोपाल नडकर्णी पर पक्षपात का आरोप लगाता है। एक निजी शैक्षणिक विवाद धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्तर की बहस में बदल जाता है। गुरु-शिष्य के बीच टकराव और सच्चाई की खोज फिल्म का मूल आधार है, जो अंत में एक ऐसे रहस्य से पर्दा उठाती है, जो दोनों के जीवन को बदल सकता है। फिल्म में अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। उत्कर्ष नैथानी द्वारा लिखी गई इस फिल्म का संगीत मोंटी शर्मा ने तैयार किया है। 'आखरी सवाल' 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और अपने विषय के कारण दर्शकों के बीच गंभीर चर्चा का केंद्र बनने की उम्मीद है।

हनुमान जयंती पर 'वाल्मीकि रामायण' का पोस्टर जारी

भक्ति और समर्पण की झलक

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाल्मीकि रामायण' के निर्माताओं ने एक खास पोस्टर जारी किया है, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस विज़ुअल में भगवान राम और भगवान हनुमान के बीच भक्ति से भरा एक भावनात्मक क्षण दर्शाया गया है, जो समर्पण और श्रद्धा की गहराई को खूबसूरती से प्रस्तुत करता है। फिल्म का निर्देशन भावना तलवार कर रही हैं, जो इसे और खास बनाता है। 'वाल्मीकि रामायण' उन चुनिंदा भव्य आध्यात्मिक फिल्मों में शामिल है, जिन्हें एक महिला निर्देशक बड़े पैमाने पर बना रही हैं। यह प्रोजेक्ट महर्षि वाल्मीकि की अमर रचना को संवेदनशील और प्रामाणिक तरीके से पर्दे पर उतारने का प्रयास है। फिल्म की रचनात्मक टीम भी बेहद मजबूत है, जिसमें प्रोडक्शन डिज़ाइनर साबू सिरिल, लेखक आनंद नीलकंठन, सिनेमैटोग्राफर बिनोद प्रधान, साउंड डिज़ाइनर रेसुल पूकुट्टी और संवाद लेखक डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी शामिल हैं। यह टीम फिल्म को तकनीकी और भावनात्मक दोनों स्तरों पर भव्य बनाने में जुटी है। 'वाल्मीकि रामायण' 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। नए क्रिएटिव के साथ ही फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है, और इसे एक भव्य सिनेमाई अनुभव के रूप में देखा जा रहा है।

'रामायणम्' की पहली झलक ने जीता दर्शकों का दिल

नमित मल्होत्रा के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'रामायणम्' का बहुप्रतीक्षित टीज़र आखिरकार जारी कर दिया गया है। जिसमें अभिनेता रणवीर कपूर भगवान राम के रूप में पहली बार नजर आए हैं। इसकी पहली झलक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। प्राइम फोकस स्टूडियोज के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं, जबकि निर्माण नमित मल्होत्रा यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के सहयोग से किया जा रहा है। टीज़र में 'राम' के किरदार को एक ऐसे नायक के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो अपने फैसलों और 'धर्म' के प्रति समर्पण से पहचाना जाता है। यह झलक दर्शकों को न केवल पौराणिक कथा की भव्यता से जोड़ती है, बल्कि राम के मानवीय पहलुओं को भी गहराई से सामने लाती है।